माघ कृष्ण पक्ष -3, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 198 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

21 जनवरी 2026 बुधवार

आज का मौसम

24.4 अधिकतम

10.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

न्यूजीलैंड के साथ टी-20 सीरीज का पहला मैच आज

नागपुर। भारतीय क्रिकेट टीम आज इस साल का पहला टी-20 मैच खेलेगी। नागपुर के विदर्भ क्रिकेट मैदान पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम इंडिया का सामना न्यूजीलैंड से होगा। यह मैच शाम 7 बजे से खेला जाएगा। 5 मैचों की टी-20 सीरीज भारत की वर्ल्ड कप तैयारियों का फाइनल टेस्ट भी साबित होगा, क्योंकि टीम इंडिया को 7 फरवरी से टी-20 वर्ल्ड कप खेलना है। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी फॉर्म तलाशेंगे। जसप्रीत बुमराह वापसी कर रहे हैं। **विस्तृत खबर- पेज 7**

इंदौर एमपी-एमएलए कोर्ट में चल सकता है शाह केस

भोपाल। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शाह के खिलाफ अभियोजन पर स्वीकृति देने के लिए सरकार को दो हफ्ते का वक्त दिया है। कानूनी जानकारों की मानें तो विजय शाह के इस केस का ट्रायल इंदौर में एमपी-एमएलए कोर्ट में शुरू किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को अभियोजन पर निर्णय लेने के लिए दो हफ्तों का वक्त दिया है। सीएम डॉ. मोहन यादव 23 जनवरी तक स्विटजरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में शामिल होने के लिए गए हैं। ऐसे में सीएम के दावोस से लौटने के बाद विजय शाह के मामले में सरकार निर्णय लेगी।

महाकाल: पीएमश्री पर्यटकों को मिलेगी वीआईपी सुविधा

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में पीएमश्री पर्यटन हेली सेवा में सफर करने वाले पर्यटकों को वीआइपी दर्शन की सुविधा मिलेगी। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। इसके लिए उप प्रशासक के नेतृत्व में अलग-अलग शिफ्टों में कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है, जो सुबह छह से रात 10 बजे तक श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल के दर्शन कराएंगे। पर्यटकों को प्रोटोकाल दर्शन के लिए 250 रुपये निर्धारित शुल्क चुकाना होगा।

बिश्नोई गैंग के 2 शूटर्स को मुठभेड़ में गोली मारी

चंडीगढ़। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 2 शूटर्स और चंडीगढ़ पुलिस के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 2 शूटर्स को गोली मारी है। इस दौरान एक शूटर गिरफ्तार भी कर लिया गया है। ये वही शूटर्स हैं, जिन्होंने कुछ दिन पहले चंडीगढ़ के सेक्टर 32 केमिस्ट की शॉप पर फायरिंग की थी। ये शूटर्स फायरिंग के बाद से फरार चल रहे थे। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 2 शूटर्स और चंडीगढ़ पुलिस के बीच चंडीगढ़ के सेक्टर 39 ग्रेन मंडी के पीछे मुठभेड़ हुई।

2005 के प्राध्यापकों को ओपीएस का मिलेगा लाभ

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि वर्ष 2005 में नियुक्त सहायक प्राध्यापकों को ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ प्रदान करें। कोर्ट ने 90 दिनों के भीतर कार्रवाई करने को कहा है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि भर्ती वर्ष 2003 की थी। नियुक्ति आदेश भले ही एक जनवरी 2005 को जारी किया गया होगा।

आज का कार्टून

ग्रीनलैंड विवाद का असर... विदेशी इनवेस्टर्स ने इस महीने निकाल लिए तीन अरब डॉलर

यूरोप-अमेरिका में तनाव से घबराए निवेशक भारतीय रूपया अब तक के निचले स्तर पर

एक डॉलर = 91.29 रुपए

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय रुपया आज डॉलर के मुकाबले नए ऑल-टाइम लो पर पहुंच गया। इसकी वजह ग्रीनलैंड को लेकर चल रहा विवाद है, जिसने निवेशकों में घबराहट बढ़ा दी है। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों की निकासी और अमेरिका-भारत के बीच ट्रेड डील में देरी भी रुपये पर दबाव बना रहे हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक रुपया 91.0750 के पिछले रेकॉर्ड को तोड़कर 91.2950 प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इसमहीने रुपया अब तक 1.5 फीसदी कमजोर हो चुका है जबकि पिछले साल इसमें लगभग 5 फीसदी गिरावट आई थी।

2025 में रुपये को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, उनमें से कई अभी भी मौजूद हैं। विदेशी निवेशक अभी भी शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। साथ ही, आयातकों को डर है कि रुपया और गिरेगा, इसलिए वे अपनी डॉलर की जरूरत को पहले से ही सुरक्षित कर रहे हैं। इसके अलावा आगे के लिए जो फॉरवर्ड प्रीमियम मिल रहा है, वह रुपये में आने वाली गिरावट की उम्मीदों को पूरा करने के लिए काफी नहीं है। विश्लेषकों का कहना है कि भारत का करेंट अकाउंट डेफिसिट अभी भी नियंत्रण में है, लेकिन विदेशी पैसा नहीं आ रहा है। यह रुपये को और कमजोर होने से नहीं रोक पा रहा है। एएनजेड बैंक के एफएक्स रणनीतिकार धीरज निम ने कहा, रुपये की सबसे बड़ी चुनौती पूंजी के मोर्चे पर है। ऐसा लगता है कि आरबीआई कमजोर रुपये को बर्दाश्त करने को तैयार है। अगर दबाव बढ़ता है, तो फिर केंद्रीय बैंक कड़ा रुख अपना सकता है। जनवरी में विदेशी निवेशकों ने अब तक लगभग 3 अरब डॉलर निकाले हैं जबकि 2025 में उन्होंने रेकॉर्ड 18.9 अरब डॉलर निकाले थे। इंडिया फॉरेक्स एडवाइजर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि रुपये का प्रदर्शन घरेलू बुनियादी बातों में किसी भी गिरावट के बजाय मांग और आपूर्ति के संरचनात्मक असंतुलन को दर्शाता है।

सेंसेक्स 1000 अंक गिरकर संभला, 82300 पर आया

मुंबई। शेयर बाजार में आज 1,000 अंक की गिरावट देखी गई। दिन के कारोबार के दौरान यह सेंसेक्स 1,000 अंक गिरकर 81,124 के निचले स्तर पर आ गया था। दोपहर एक बजे यह 82300 अंक पर कारोबार कर रहा है। दो दिन में बाजार में करीब 1200 अंक की गिरावट आ चुकी है। वहीं निफ्टी में भी करीब 200 (0.80%) अंक की गिरावट है। कल भी सेंसेक्स 1065 में अंक की गिरावट रही थी। मार्केट एक्सपर्ट्स बाजार में गिरावट की बड़ी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की जिद को मान रहे हैं। इसके अलावा तीसरी तिमाही में रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियों के मुनाफे में कमी भी इसका कारण माना जा रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते पर कोई ठोस प्रगति न होने के कारण रुपये को विदेशी पूंजी आने का कोई बड़ा सहारा नहीं मिल पा रहा है।

इंदौर दूषित पानी मामला

चार बेटियों के पिता की इलाज के दौरान मौत

इंदौर। दूषित पानी से शहर में एक और मौत हो गई जिसके बाद मौतों का आंकड़ा अब 25 पर पहुंच गया है। भागीरथपुरा के रहने वाले हेमंत गायकवाड़ (51) ने मंगलवार देर रात करीब 3 बजे इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हेमंत 22 दिसंबर को दूषित पानी पीने के बाद अचानक बीमार पड़ गए थे। पहले उन्हें परदेशीपुरा स्थित वर्मा नर्सिंग होम में भर्ती किया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर 7 जनवरी को अरविंदो हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां कई दिनों तक इलाज चला। लेकिन उनकी जान नहीं बच पाई। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, उन्हें सेल कार्सिनोमा नामक कैंसर और किडनी की बीमारी थी। लेकिन उल्टी दस्त के कारण एडमिट किया गया था। इसके बाद उनकी हालत खराब होती गई। हेमंत परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

संजय कपूर की विरासत के लिए जंग फैमिली ट्रस्ट रद्द करने की मांग

नईदिल्ली। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की करीब 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रही विरासत की लड़ाई अब एक नए और गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। संजय कपूर की मां, रानी कपूर ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत से 'रानी कपूर फैमिली ट्रस्ट' को रद्द करने की मांग की है। यह कदम इसलिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि यह ट्रस्ट प्रमुख ऑटो कंपोनेंट निर्माता कंपनी 'सोना कॉमस्टार' में हिस्सेदारी रखता है।

उदयनिधि का सनातन पर बयान 'हेट स्पीच'

हिंदू धर्म पर हमला कर रहा है डीएमके : हाईकोर्ट

चेन्नई. एजेंसी

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को मद्रास हाईकोर्ट से झटका लगा है। उच्च न्यायालय ने सनातन धर्म को लेकर दिए उनके बयान को %हेट स्पीच' बताया है। साथ ही भारतीय जनता पार्टी नेता अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज स्नढ्ढक्र को रद्द कर दिया है। साल 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना कोरोनावायरस और मलेरिया जैसी बीमारी से की थी। साथ ही कहा था कि इसे उखाड़ फेंकना जरूरी है। उदयनिधि तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बेटे हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि डीएमके की तरफ से 100 सालों से ज्यादा समय से 'हिंदू धर्म पर हमला' किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि कई बार जो लोग हेट स्पीच की शुरुआत करते हैं, वो बगैर सजा के ही बचकर निकल जाते हैं।

हाईकोर्ट ने कहा, यह साफ है कि पिछले 100 साल में द्रविड़ कझगम और उसके बाद द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम ने हिंदू धर्म पर हमला किया है। मंत्री इस पार्टी से ही हैं। हालात पर विचार करते हुए, यह देखा गया है कि याचिकाकर्ता ने मंत्री के भाषण में छिपे हुए मतलब पर सवाल किया था।'

कोर्ट ने कहा, यह अदालत बड़े दुख के साथ मौजूदा स्थिति को रिकॉर्ड कर रहा है कि हेट स्पीच करने वाले आजाद घूमते हैं। जबकि, जो उस हेट स्पीच पर सवाल उठाते हैं, उन्हें कानून का सामना करना पड़ता है। अदालतें प्रतिक्रिया देने वालों से सवाल कर रही हैं, लेकिन हेट स्पीच की शुरुआत करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं कर रही हैं।' कोर्ट ने कहा कि मंत्री के खिलाफ राज्य में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ, लेकिन कुछ अन्य राज्यों में हुआ है।

लॉबी से अटेंडेंस लगाने की परंपरा पर रोक

लोकसभा में अब अपनी सीट से ही लगेगी सांसदों की हाजिरी

नई दिल्ली. एजेंसी

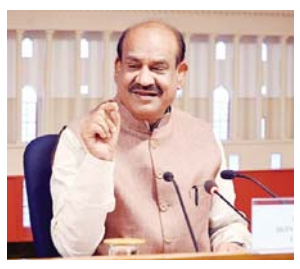

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इस बदलाव के बाद आगामी बजट सत्र से सांसद केवल अपनी निर्धारित सीटों से ही हाजिरी लगा पाएंगे। अटेंडेंस प्रक्रिया में इस बदलाव का मकसद सांसदों को सदन की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

श्री बिरला ने बताया कि आगामी बजट सत्र से लोकसभा सांसद केवल अपने निर्धारित सीटों से ही अपनी हाजिरी लगा पाएंगे। जबकि पहले सदस्य लॉबी से अटेंडेंस लगा सकते थे, अब इस व्यवस्था को बंद कर दिया जाएगा, ताकि सासंदों को सदन की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। लखनऊ में 86वीं अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि संसद में गंभीरता और अनुशासन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब सांसद केवल तभी अपनी उपस्थिति दर्ज करा पाएंगे जब सदन चल रहा होगा। अगर सदन स्थगित हो जाता है, तो वे हाजिरी नहीं लगा पाएंगे, इसके लिए भले ही स्थगन हंगामे के कारण हुआ हो। इस फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सांसदों की हाजिरी केवल संसद परिसर में उनकी मौजूदगी को नहीं, बल्कि कार्यवाही में उनकी सक्रिय भागीदारी को दर्शाए। इसके लिए लोकसभा में हर सीट पर ऐसे कंसोल लगाए गए हैं, जिनसे सांसद अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। स्पीकर ने बताया कि यह सुधार संसदीय प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने और विधायी सत्रों की उत्पादकता बढ़ाने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

एकरूपता लाने पर विचार करेगी समिति

सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि संसद ने एक समिति बनाई है, जो कि भारत की सभी विधायी निकायों में नियमों और परंपराओं में एकरूपता लाने के तरीकों पर विचार करेगी। उन्होंने विभिन्न मापदंडों पर राज्य विधानसभाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के महत्व पर भी जोर दिया।

दावोस जा रहे ट्रंप के विमान में आई खराबी, उड़ान के बाद लौटना पड़ा

दावोस, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप का विमान एयर फोर्स वन स्विट्जरलैंड के लिए उड़ान भरने के बाद जॉइंट बेस एंड्रयूज लौट गए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लीविट ने कहा कि लौटने का फैसला टेकऑफ के बाद लिया गया जब एयर फोर्स वन में मौजूद क्रू ने एक मामूली इलेक्ट्रिकल दिक्कत का पता लगाया और सावधानी बरतते हुए वापस लौटने का फैसला किया।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, टेकऑफ के बाद एयरफोर्स वन के क्रू को विमान में एक इलेक्ट्रिकल दिक्कत का संकेत मिला. किसी भी तरह का जोखिम न लेते हुए, पायलटों ने विमान को जॉइंट बेस एंड्रयूज़ वापस लाने का निर्णय लिया. बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनका प्रतिनिधिमंडल अब किसी दूसरे विमान से स्विट्जरलैंड के लिए रवाना होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति आमतौर पर जिस विमान से यात्रा करते हैं, उसे एयरफोर्स वन कहा जाता है. यह दरअसल एक तकनीकी पदनाम है। डोनाल्ड ट्रंप के बेड़े में बोइंग 747 के दो विशेष विमान हैं, जिनके कोड नंबर 28000 और 29000 हैं। इन विमानों पर अमेरिकी राष्ट्रीय प्रतीक और झंडा अंकित होता है. एयरफोर्स वन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह हवा में ही ईंधन भरने में सक्षम है।

प्रयागराज में सेना का ट्रेनी विमान तालाब में गिरा

प्रयागराज। प्रयागराज में सेना का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। जहां हादसा जहां हुआ, वह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। यहां तालाब से सटा हुआ स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले 3 लोग पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। कुछ ही देर में सेना का हेलिकॉप्टर भी पहुंच गया। हालांकि, जिस तालाब में विमान गिरा, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है। एयरक्राफ्ट तक टीम को पहुंचने में समय लगा।

मेट्रो एंकर | **भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट ने कहा - स्पेस का कमर्शियलाइजेशन जरूरी**

चांद पर जाना चाहती हूं... लेकिन मेरे पति इजाजत नहीं देंगे- सुनीता

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने कहा है कि दुनिया में एक नई स्पेस रेस जरूर चल रही है, लेकिन मकसद यह होना चाहिए कि इंसानियत टिकाऊ, उत्पादक और लोकतांत्रिक तरीके से चांद पर लौटे। विलियम्स ने कहा कि भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे।

विलियम्स ने कहा कि स्पेस ट्रैवल एक टीम स्पोर्ट है और देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि स्पेस का कमर्शियलाइजेशन जरूरी है, क्योंकि इससे नई टेक्नोलॉजी, सैटेलाइट, स्पेस एक्सपेरिमेंट और xD प्रिंटिंग जैसे क्षेत्रों में रोजगार और इनोवेशन के मौके बढ़ते हैं। वहीं, चांद पर जाने के सवाल पर उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा- मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे मार डालेंगे। अब घर वापसी और जिम्मेदारी संभालने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को अपना स्थान बनाना होगा। सुनीता दिवंगत एस्ट्रोनॉट कल्पना चावला की 90 साल की मां संयोगिता चावला और बहन दीपा से भी मिलीं। विलियम्स मंच से उतरकर सबसे आगे बैठीं चावला की मां के पास पहुंचीं और उन्हें गले लगाया। चावला की मां ने कहा कि सुनीता विलियम्स उनके परिवार की सदस्य जैसी हैं। 2003 में स्पेस शटल कोलंबिया हादसे के बाद विलियम्स करीब तीन महीने तक उनके घर आती थीं और दुख की घड़ी में पूरे परिवार को सहारा देती थीं।

स्पेस से महसूस होता है... हम सब एक हैं

60 साल की विलियम्स हाल ही में नासा के अंतरिक्ष यात्रियों की टीम से रिटायर हुईं हैं। उनके लिए प्राइवेट सेक्टर में काम करने के विकल्प खुले हैं, क्योंकि उन्होंने तीन अलग-अलग रॉकेटों का उपयोग करते हुए अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। उन्होंने 9 स्पेस वॉक भी किए हैं, जो अंतरिक्ष में बिताए गए कुल 62 घंटे हैं। उन्होंने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में बिताए समय और उस चुनौतीपूर्ण दौर को याद किया, जब आठ दिन का मिशन तकनीकी दिक्कतों के कारण नौ महीने से ज्यादा का हो गया। इस दौरान मल्टी-कल्चरल क्रू के साथ त्योहार मनाने के विजुअल्स भी दिखाए गए। जब उनसे पूछा गया कि क्या स्पेस ट्रैवल ने उनकी जिंदगी के नजरिए को बदला है, तो उन्होंने कहा-हां, बिल्कुल। जब आप धरती को स्पेस से देखते हैं, तो महसूस होता है कि हम सब एक हैं और हमें ज्यादा करीब से मिलकर काम करना चाहिए। अंतरिक्ष में फैले उपग्रहों के कचरे को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में यह एक बड़ी चुनौती बन गई है और इसे मैनेज करने के लिए नई टेक्नोलॉजी की जरूरत है।

महाभारत समागम का पांचवां दिन

भारत भवन के मंच पर जय, अभिमन्यु वध व अंधायुग का मंचन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन के मंच पर महाभारत की शाश्वत कथा को 21वीं सदी की संवेदना के साथ प्रस्तुत करती संगीत-नाट्य प्रस्तुति जय दर्शकों के लिए एक अनोखा और प्रभावशाली अनुभव लेकर आयी। वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित सभ्यताओं के संघर्ष एवं औदार्य की महागाथा पर केंद्रित महाभारत समागम के पांचवें दिन पूर्वरंग मंच पर साधु चरण महतो द्वारा निर्देशित पुरूलिया छाऊ शैली में अभिमन्यु वध तथा अंतरंग सभागार में जॉय द्वारा निर्देशित नाट्य प्रस्तुति अंधायुग का मंचन किया गया। विश्वस्तरीय लाइटिंग, भव्य सेट, सुसज्जित परिधान, अत्याधुनिक साउंड और सशक्त लाइव गायन के साथ प्रस्तुति दृश्य और श्रव्य दोनों स्तरों पर प्रभाव छोड़ती है। द प्राइम टाइम थिएटर कंपनी, मुंबई द्वारा प्रस्तुत यह रॉक म्यूजिकल अंग्रेज़ी भाषा में मंचित किया गया, जिसका निर्देशन देश की प्रख्यात रंगनिर्देशक लिलेट दुबे ने किया है। रॉक म्यूजिकल के रूप में महाभारत की समकालीन प्रस्तुतिः 'जय' महाभारत की प्रमुख घटनाओं को युधिष्ठिर की दृष्टि से एक नाटकीय मोंटाज शैली में प्रस्तुत करता है। नाटक में सत्य, शक्ति और भाग्य जैसे प्रश्नों को दुर्योधन और कर्ण के विपरीत दृष्टिकोणों के माध्यम से उभारा गया है, वहीं श्रीकृष्ण का गीता उपदेश कथा का नैतिक और दार्शनिक केंद्र बनता है। यह प्रस्तुति दर्शकों को सोचने पर विवश करती है कि आज के समय में धर्म और निर्णयों का क्या अर्थ है। संदीप कांजीलाल द्वारा लिखित इस नाटक का मौलिक और ऊर्जावान संगीत आशुतोष पाठक ने रचा है।

यात्रियों को मिलेगा सस्ता सफर

प्रदेश में जल्द शुरू होगी 'सहकार टैक्सी सेवा', ओला-उबर को देगी कड़ी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहरी क्षेत्रों में आम लोगों को सस्ती परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता के मॉडल पर सरकार जल्द ही 'सहकार टैक्सी सेवा' प्रारंभ करेगी। इसका संपूर्ण संचालन सहकारी समितियों के हाथ में रहेगा। इससे समितियों की आय बढ़ेगी। जो ड्राइवर इस सेवा से जुड़ेंगे, उनकी आमदनी बढ़ेगी क्योंकि सहकारी समितियां निजी एग्रीगेटर जैसा कमीशन नहीं लेंगी। अभी निजी एग्रीगेटर जैसे ओला, उबर कंपनियां कमीशन लेती हैं।

टैक्सी एग्रीगेटर एक प्लेटफार्म सामान्यतः एप होता है जो यात्रियों को विभिन्न टैक्सी संचालकों की उपलब्धता की जानकारी संभावित किराये के साथ देता है। बुकिंग सुविधा भी उपलब्ध कराता है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की घोषणा के बाद दिल्ली और गुजरात में इसे लेकर पायलट प्रोजेक्ट संचालित किए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश का सहकारिता विभाग भी इसकी तैयारी कर रहा है। बजट में इस योजना की घोषणा भी हो सकती है।

रोजगार के नए अवसर और महासंघ का गठनः अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में सहकारिता के माध्यम से रोजगार के नए अवसर तलाशे जा रहे हैं। नागरिकों को सस्ती और अच्छी सुविधा उपलब्ध कराने की मंशा से पर्यटन, परिवहन सेवा के बाद अब टैक्सी सेवा के क्षेत्र में काम करने का निर्णय लिया गया है। सहकार टैक्सी सेवा के संचालन का जिम्मा प्राथमिक सहकारी समितियों को दिया जाएगा। राज्य स्तर पर एक महासंघ बनेगा। ड्राइवर इसमें पंजीयन कराएंगे। बुकिंग का मॉडल प्रचलित एग्रीगेटर की तरह रहेगा।

बड़े शहरों से होगी शुरुआत और बैंक ऋण की सुविधा

सूत्रों का कहना है कि योजना की शुरुआत भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन सहित बड़े शहरों से होगी। इसके बाद इसका विस्तार किया जाएगा। यदि कोई समिति वाहन खरीदकर स्वयं संचालन करना चाहेगी तो उसके लिए उसे बैंक से ऋण भी दिलाया जाएगा। यह ठीक वैसा ही होगा जैसे आदिवासी क्षेत्रों में उचित मूल्य की दुकान से राशन पहुंचाने के लिए सरकार ने अपनी गारंटी पर ऋण दिलाकर वाहन खरीदवाए हैं।

बिना कमीशन ड्राइवरों और यात्रियों को होगा दोहरा लाभ

जैसे ही बुकिंग आएगी, पंजीकृत ड्राइवर के पास संदेश पहुंच जाएगा। चूंकि, इस सेवा के लिए ड्राइवरों को कोई कमीशन नहीं देना है इसलिए उन्हें अधिक लाभ होगा। यह सेवा यात्रियों के लिए भी तुलनात्मक रूप से सस्ती होगी क्योंकि कमीशन का कोई प्रावधान नहीं रखा जाएगा। निजी एग्रीगेटर द्वारा 20 से 25 प्रतिशत प्रति राइड कमीशन लिया जाता है। सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग का कहना है कि सहकारिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। समितियों को उद्योगों के साथ जोड़ने के अलावा नए-नए क्षेत्रों में काम किया जा रहा है। सहकार टैक्सी सेवा भी इसमें से एक है। एप बनवाने, संचालन आदि का खर्च सरकार वहन करेगी।

निटर व कॉटन विवि गुवाहाटी में एमओयू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) भोपाल और कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी ने सेमीकंडक्टर स्किलिंग और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए. इस एमओयू पर एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी एवं कॉटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चंद्र देका द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए. यह साझेदारी विशेष रूप से सेमीकंडक्टर स्किलिंग और अनुसंधान के क्षेत्र में सेमीकंडक्टर तकनीकों में विशेष पाठ्यक्रमों का विकास करेगी, जिनमें वीएलएसआई डिजाइन, सेमीकंडक्टर निर्माण, पैकेजिंग, टेस्टिंग और संबंधित क्षेत्र शामिल हैं, जो भारत के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है. . इन कोर्सों का उद्देश्य उद्योग-मान्य कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि छात्रों और पेशेवरों को सेमीकंडक्टर उद्योग में करियर बनाने के लिए तैयार किया जा सके. एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग ने वैश्विक स्तर पर अत्यधिक महत्व हासिल किया।

एम्स : अब कैंसर सर्जरी के बाद भी नहीं बिगड़ेगा चेहरा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में हर एक लाख आबादी पर 41 लोग मुंह के कैंसर से जूझ रहे हैं। इनमें ज्यादातर मरीज ऐसे हैं, जिनकी सर्जरी के बाद बीमारी से ज्यादा बड़ी चुनौती होती है- दोबारा बोल पाना, खाना चबाना और सामान्य जिंदगी में लौटना।

अब तक ऐसे जटिल मामलों में मरीजों को इलाज के लिए बड़े निजी अस्पतालों या दूसरे शहरों में जाना पड़ता था, जहां खर्च लाखों में पहुंच जाता था। अब यह मजबूरी खत्म होने जा रही है। एम्स भोपाल में हेड एंड नेक कैंसर के बाद होने वाली जटिल रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी की सुविधा शुरू होने जा रही है। एम्स के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिनव सिंह इसे भोपाल में शुरू कर रहे हैं। उन्होंने जयपुर स्थित भगवान महावीर अस्पताल से हेड एंड नेक रिकंस्ट्रक्शन पर केंद्रित सुपर माइक्रोसर्जरी का प्रशिक्षण पूरा किया है। बता दें भोपाल में प्रति एक लाख आबादी में ओरल कैंसर के मरीजों में 30 से अधिक पुरुष और 11 महिलाएं शामिल हैं। पॉपुलेशन बेस्ड कैंसर रजिस्ट्री की रिपोर्ट के मुताबिक शहर में हर वर्ष कैंसर के लगभग 9 से 10 हजार नए मरीज सामने आ रहे हैं। एम्स में यह सुविधा सरकारी दरों और आयुष्मान योजना के तहत उपलब्ध होगी।

पांच चरण में होती है यह सर्जरी

पहला चरण- ऑन्कोलॉजी टीम पहले कैंसरग्रस्त हिस्से को पूरी तरह निकालती है। इसके बाद शरीर में बने बड़े घाव और कार्यात्मक नुकसान का आकलन किया जाता है।

दूसरा चरण- मरीज के पैर, हाथ, जांघ या पीठ से त्वचा, मांसपेशी और रक्त वाहिकाओं का छोटा हिस्सा (फ्लैप) लिया जाता है। इसे इस तरह चुना जाता है कि उससे बोलने और निगलने की क्षमता दोबारा विकसित हो सके।

तीसरा चरण- माइक्रोस्कोप की मदद से बाल से भी पतली रक्त नलिकाओं (0.3-0.8 मिमी) को आपस में जोड़ा जाता है। इसी कारण इसे सुपर माइक्रोसर्जरी कहा जाता है। इससे नए लगाए गए हिस्से में तुरंत रक्त प्रवाह शुरू हो जाता है।

चौथा चरण- फ्लैप को इस तरह आकार दिया जाता है कि चेहरे की बनावट बनी रहे और मरीज बोलने, चबाने व निगलने सामान्य स्थिति में लौट सके।

पांचवां चरण- ऑपरेशन के बाद 5-7 दिन तक लगातार मॉनिटरिंग होती है, ताकि रक्त प्रवाह बाधित न हो।

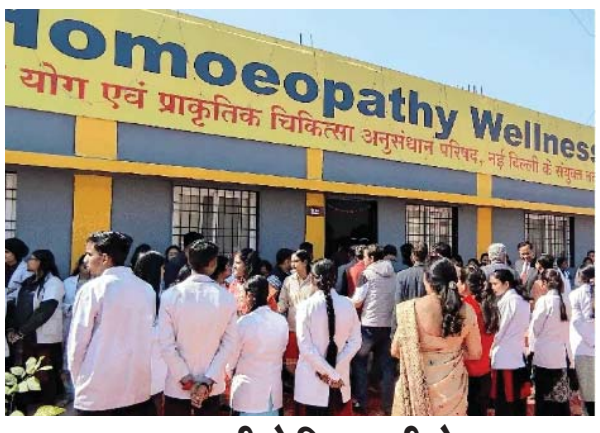

एक गलती से बिगड़ रही सेहत

अलर्ट : प्री-क्लीनिकल मोटापा हो तो न करें दवाओं का सेवन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के आधार पर खुद को मोटा समझना और फिर पतले होने की होड़ में दवाओं व सप्लीमेंट का सेवन करना आपको परेशानी में डाल सकता है। बीते पांच सालों में दवाओं के उपयोग से वजन कम करने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जो नए प्रकार के रोग को जन्म दे रही है। फार्मास्युटिकल मार्केट का एनालिसिस करने वाली कंपनी एक्युएंट की रिपोर्ट बताती है कि फिटनेस का क्रेज बढ़ रहा है। यही कारण है कि सालाना 8त्न की दर से मिनरल, विटामिन और न्यूट्रीशन से जुड़ी दवाओं की मांग बढ़ रही है। बढ़ती मांग को देखते हुए कई ऐसी दवाएं मार्केट में आ रही हैं, जो साइड इफेक्ट का कारण बन रही हैं।

अकेले जनवरी में ही जेपी अस्पताल, एम्स और शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय में ऐसे ही दुष्प्रभाव के चलते 16 केस सामने आए।

बीएमआई मोटापे का मापदंड नहीं

शासकीय होम्योपैथी वेलनेस सेंटर की इंचार्ज डॉ. जूही गुप्ता के अनुसार यदि बीएमआई 25 से अधिक यानी प्री-क्लीनिकल मोटापा हो, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या न हो, तो दवाओं व सप्लीमेंट का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि सिर्फ बीएमआई को अकेले मापदंड के रूप में देखना गलत है। मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. गुप्ता के अनुसार बीएमआई एक सरल और आसानी से उपलब्ध मापदंड है, लेकिन यह शरीर में चर्बी की मात्रा को पूरी तरह से नहीं दर्शाता। जिन व्यक्तियों में मांसपेशियों की मात्रा ज्यादा होती है और हड्डियों की घनत्व अधिक होती है, उनका बीएमआई बढ़ा हुआ आता है, लेकिन उनमें चर्बी की मात्रा कम हो सकती है।

नांदेड़ के लिए दो स्पेशल ट्रेनें, यात्रियों को राहत बीना-भोपाल और इटारसी से होकर गुजरेंगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नांदेड़ में गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर 24 और 25 जनवरी 2026 को होने वाले कार्यक्रमों को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर चंडीगढ़ और हजरत निजामुद्दीन से नांदेड़ के लिए दो आरक्षित स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों से खास तौर पर मध्य प्रदेश के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन विशेष ट्रेनों के ठहराव से मध्य प्रदेश के प्रमुख स्टेशनों के यात्रियों को नांदेड़ में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन की समय-सारिणी और आरक्षण की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

इन स्टेशनों के यात्रियों को लाभ

ये दोनों स्पेशल ट्रेनें बीना जंक्शन, भोपाल जंक्शन और इटारसी जंक्शन होकर गुजरेंगी। इससे सागर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल सहित आसपास के जिलों के यात्रियों को नांदेड़ आने-जाने के लिए सीधी रेल सुविधा मिलेगी। आम दिनों में सीमित विकल्प होने के कारण यात्रियों को जिन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, वह इन स्पेशल ट्रेनों से काफी हद तक दूर होगी।

चंडीगढ़-नांदेड स्पेशलः रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 04524/04523 आरक्षित स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। चंडीगढ़ से प्रस्थान 23 और 24 जनवरी, नांदेड़ से प्रस्थान 25 और 26 जनवरी, भोपाल जंक्शन पर समय चंडीगढ़ से आने पर रात 9.50 बजे आगमन, 9.55 बजे प्रस्थान, नांदेड़ से आने पर दोपहर 2 बजे आगमन, 2.10 बजे प्रस्थान

हजरत निजामुद्दीन-नांदेड़ स्पेशलः गाड़ी संख्या 04494/04493 हजरत निजामुद्दीन-नांदेड़ के बीच चलेगी। हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान 23 और 24 जनवरी, नांदेड़ से प्रस्थान 24 और 25 जनवरी भोपाल का समय रात 10.25 बजे आगमन।

कोरिया की मदद से बच्चे सीखेंगे उद्योग कौशल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय कौशल शिक्षा संस्थान के निनाद सभागार में एनसीईआरटी एवं कोरिया इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (कोइका) के सहयोग से संचालित मेकाट्रॉनिक्स परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए विकसित मेकाट्रॉनिक्स के प्रारूप पाठ्यक्रम का लोकार्पण किया गया, जो विद्यालय स्तर पर तकनीक-आधारित एवं उद्योग-उन्मुख शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मेकाट्रॉनिक्स के ड्राफ्ट पाठ्यक्रम (कक्षा 9वीं एवं 10वीं के लिए जूनियर टेक्नीशियन तथा कक्षा 11वीं एवं 12 के लिए टेक्नीशियन) का औपचारिक विमोचन रहा। पाठ्यक्रम पुस्तिकाओं का विमोचन विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति में किया।

मेट्रो एंकर

'कतार में लगे लोग' कथा संग्रह का लोकार्पण समारोह

संवेदनशील हृदय की अनुभूतियों से उपजती है लघुकथा - डॉ. विकास दवे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लघुकथा थोड़े में बहुत व्यक्त करने की विधा है परन्तु यह थोड़ा लिखना सहज नहीं होता। एक अच्छी लघुकथा संवेदनशील हृदय की अनुभूतियों से उपजती है। यह उदगार हैं निदेशक साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद डॉ. विकास दवे के। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल के तत्वावधान में 'कतार में लगे लोग' लघुकथा संग्रह लेखिका डॉ. वर्षा ढोबले के हिंदी भवन के में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम मैथिल अमृत ने किया, सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ महिमा वर्मा की सरस सरस्वती वंदना के पश्चात कार्यकम आरम्भ हुआ। अतिथियों द्वारा कृति के लोकार्पण के बाद डॉ. वर्षा ढोबले ने अपनी लेखकीय यात्रा के अनुभव साझा करते हुए संग्रह से तीन प्रतिनिधि लघुकथाओं का वाचन किया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए वरिष्ठ लघुकथाकार कांता रॉय निदेशक ने कहा कि भावुक मन की गहराई से सहज सरल भाषा में लिखी गई लघुकथाएं हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मालती बसंत ने कहा की संग्रह में आम आदमी की व्यथा कथा का मार्मिक चित्रण है। इस आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार विनोद कुमार जैन ने कहा कि संग्रह की हर लघुकथा अपने आप में शीर्षक कथ्य और शिल्प की दृष्टि से सम्पूर्ण है। इस आयोजन में नगर के अनेक साहित्य प्रेमी लेखक पाठक उपस्थित थे।

पुस्तक पखवाड़ा-2026 का समापन

लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित पुस्तक पखवाड़ा 2026 के उन्नीसवें समापन सत्र के अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ उमेश कुमार सिंह थे। उन्होंने कहा कि साहित्य में लेखक समीक्षक और पाठक का त्रिकोणात्मक संबंध होता है, लेखक रचना का सृजन करता है समीक्षक उसका अर्थ खोलता है, पाठक उसे जीवन देता है। रचना का महत्व उसके लोकमंगल मानवीय सत्य और वैचारिक गहराई में निहित होता है । इस अवसर पर 'डियर तुम बुद्धू हो' (व्यंग्य संग्रह) लेखक -अरुण अर्णव खरे पर बोलते हुए समीक्षक सुनीता प्रकाश ने कहा की इस व्यंग्य संग्रह में तंज है अपनापन है। व्यंग्य प्रश्न उठाता है केवल हंसने के लिए नहीं बल्कि भीतर तक आहत कर देने के लिए के लिए अगली महत्वपूर्ण पुस्तक थी उम्मीदों की तरह लौटना तुम रचनाकार -पंकज सुबीर। इस कृति पर बोलते हुए समीक्षक घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने कहा कि इस संग्रह की कविताएं मुक्त छंद होकर भी उनके अंदर गेयता है। छंद और लय का प्रवाह है।

छिंदवाड़ा मिठाई कांड : चूहा मारने की दवा होने का खुलासा

लावारिस थैले की मिठाई बनी थी मौत की वजह, मिला हुआ था ज्यादा आर्सेनिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव में सामने आए चर्चित मिठाई कांड में बड़ा खुलासा हुआ है। खाद्य विभाग की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि लावारिस थैले में रखी मिठाई में अत्यधिक मात्रा में आर्सेनिक (चूहा मार दवा) मिला हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार आर्सेनिक की मात्रा सामान्य स्तर से करीब ढाई सौ गुना अधिक पाई गई, जिससे मिठाई पूरी तरह जहरीली बन चुकी थी।

बताया जा रहा है कि 8 जनवरी को इसी मिठाई का सेवन करने के बाद एक सप्ताह के भीतर तीन लोगों की मौत हो गई थी। खाद्य विभाग की रिपोर्ट सामने आने के बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि यह मामला न तो सामान्य मिलावट का था और न ही खराब मिठाई का, बल्कि मिठाई को जानबूझकर जहरीला बनाया गया था।

खाद्य विभाग की रिपोर्ट में साफ तौर पर उल्लेख किया गया है कि मिठाई न तो सड़ी-गली थी और न ही उसमें किसी प्रकार की सामान्य खाद्य मिलावट पाई गई। जांच में यह सामने आया है कि मिठाई में जानबूझकर तेज असर वाली चूहा मार दवा मिलाई गई थी, जिससे उसकी प्रकृति पूरी तरह घातक हो गई।

फूड इंस्पेक्टर गोपेश मिश्रा ने बताया कि मिठाई में पाई गई चूहा मार दवा में आर्सेनिक की मात्रा अत्यधिक थी। यह मात्रा इतनी अधिक है कि इसे सामान्य लापरवाही नहीं माना जा सकता, बल्कि इसे किसी को नुकसान पहुंचाने की मंशा से जोड़ा जा रहा है।

पुलिस को बिसरा रिपोर्ट का इंतजार- पुलिस अब पोस्टमॉर्टम के बाद सुरक्षित किए गए बिसरा की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जो जबलपुर स्थित फॉरेंसिक लैब से प्राप्त होनी है। बिसरा रिपोर्ट आने के बाद यह पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगा कि मौत का प्रत्यक्ष कारण आर्सेनिक ही था या नहीं। इसी आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

थाना प्रभारी राकेश बघेल ने बताया कि खाद्य विभाग की जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, जिसमें मिठाई में अत्यधिक मात्रा में आर्सेनिक पाए जाने की पुष्टि हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि मिठाई में जानबूझकर जहर मिलाया गया था। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है और संबंधित लोगों से पूछताछ जारी है।

जानिए, क्या है आर्सेनिक

आर्सेनिक एक अत्यंत जहरीला रासायनिक तत्व है। शरीर में इसकी अधिक मात्रा पहुंचने पर यह नसों, त्वचा और आंतरिक अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति की हालत तेजी से बिगड़ सकती है और गंभीर मामलों में मृत्यु भी हो सकती है।

बिसरा रिपोर्ट से खुलेगा साजिश का पूरा सच

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बिसरा रिपोर्ट आने के बाद मौतों की पूरी कड़ी और इसके पीछे की साजिश का सच सामने आ सकेगा। इसके बाद ही यह तय हो पाएगा कि यह मामला दुर्घटना था या सुनियोजित हत्या की साजिश।

घटनाक्रम की टाइमलाइन

- 8 जनवरी को जुन्नारदेव में लावारिस थैले में रखी मिठाई लोगों को मिली, कुछ लोगों ने उसका सेवन किया।
- मिठाई खाने के बाद लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।
- अगले कुछ दिन अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई।
- मौतों के बाद मामला संदिग्ध मानते हुए पुलिस और खाद्य विभाग ने जांच शुरू की।
- खाद्य विभाग जांच मिठाई के नमूनों में अत्यधिक मात्रा में आर्सेनिक पाए जाने की पुष्टि हुई।
- फिलहाल पुलिस बिसरा रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई होगी।

उद्योग और व्यवसाय के बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं होंगी साकार, सीएम बोले-

आर्थिक उत्पादों को बाजार दिलाने और रोजगार के लिए महत्वपूर्ण मंच वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम

देवास, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम दावोस इस उद्देश्य के साथ जा रहे है कि हमारे युवाओं को रोजगार मिले और उत्पाद सही ढंग से बाजार तक पहुंचे और मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न बने। हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है कि इन प्रयासों से हमारा प्रदेश समृद्ध हो। मध्यप्रदेश में निवेश की सभी तरह की संभावनाएं हैं। अच्छी टेक्नॉलोजी को लागू करने के लिए विश्व के प्रमुख उद्यमियों को आमंत्रित करने की जरूरत है। रोजगारपरक कामों के लिए सभी का साथ होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की आर्थिक मजबूती के लिए यह श्रेष्ठ फोरम है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम जैसे आयोजन में मध्यप्रदेश की सहभागिता उल्लेखनीय रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आर्गेनिक एग्रीकल्चर एक बड़ा सेक्टर है जिसमें फूड से लेकर कई क्षेत्रों में व्यापार की संभावनाएं हैं। कॉटन से लेकर अन्य कई क्षेत्रों में व्यापार-व्यवसाय के उन्नयन की संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को साकार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए हर तरह के अवसर मौजूद हैं। हमें बेहतर तकनीक को अपनाने के लिए उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहित करना होगा। रोजगार सृजन करने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा और जैविक कृषि क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जो खाद्य पदार्थों से लेकर अन्य उद्योगों तक कई क्षेत्रों को कवर करता है। कपास उत्पादन से लेकर वस्त्र निर्माण के अलावा अन्य कई क्षेत्रों में व्यापार और वाणिज्य के विकास के अवसर मौजूद हैं।

प्रत्येक राज्य को आगे बढ़ने का अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में पर्यटन क्षेत्र में निवेश पर केंद्रित सत्र को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत चौथा स्थान हासिल करते हुए अब विश्व की तीसरी सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। इस प्रकार से बदलते समय में देश के प्रत्येक राज्य के पास आगे बढ़ने के सुनहरे अवसर है। अन्य राज्यों को भी वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम जैसे वैश्विक आयोजन में शामिल होना चाहिए, जहां राज्यों को औद्योगिक निवेश प्राप्त करने का व्यापक अवसर मिलता है।

जीआईएस के 30 प्रतिशत प्रस्ताव धरातल पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले साल भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। मध्यप्रदेश को देश-विदेश से जो निवेश मिले उसका 30 प्रतिशत धरातल पर उतारा जा चुका है। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने गत 25 दिसंबर में ग्वालियर में आयोजित अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट में एक साथ 2 लाख करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया था। इस प्रकार से कुल 8.5 लाख करोड़ के औद्योगिक विकास कार्य धरातल पर आ गए हैं, आगे भी कार्य जारी हैं। यह मध्यप्रदेश की ग्रोथ को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को प्रदेश के किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित किया है। मध्यप्रदेश में कृषि विकास और उससे संबंधित उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश निश्चित रूप से खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य उत्पादन, उद्यानिकी एवं दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनेगा।

जगदीश, उदय, संपतिया तय करेंगे नई आबकारी नीति

मंत्रियों की तीन सदस्यीय कमेटी तैयार करेगी 111 साल पुराने नियम बदलने का मसौदा

देवास, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में 1915 में बने आबकारी नियमों में बदलाव को लेकर मंत्रीमंडल समिति निर्णय लेगी। कैबिनेट के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने इसके लिए तीन सदस्यीय कमेटी बना दी है, जो इसी माह बैठक कर आबकारी नियमों में बदलाव का मसौदा तैयार करेगी और इसे कैबिनेट में मंजूरी के लिए लाया जाएगा।

राज्य शासन द्वारा बनाई गई मंत्रियों की कमेटी अवैध शराब परिवहन और जहरीली शराब को लेकर भी निर्णय ले सकती है, ताकि इस तरह की स्थितियों पर रोक लगाई जा सके। राज्य शासन ने वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति बनाने, उससे संबंधित मामलों में समय-समय पर निर्णय लेने तथा आगामी वर्षों के लिए सुझाव देने के लिए मंत्री-परिषद समिति का गठन किया है। इस समिति में उप मुख्यमंत्री और वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री सम्पतिया उइके को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति के सचिव प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर होंगे।

इन पर भी होगी चर्चा

- वर्ष 1915 में बने आबकारी अधिनियम के कोई प्रावधान अगर आज की स्थिति में अव्यावहारिक हैं तो उसमें संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। यह बदलाव आज के समय के हिसाब से किया जाएगा जो समयानुकूल हो।
- शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब बेचे जाने की शिकायतों पर नियंत्रण के लिए समिति फैसले लेगी। इसमें संबंधित जिलों के अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय करने का फैसला हो सकता है।
- जहरीली शराब की घटनाओं से होने वाली मौतों और इससे सरकार की छवि धूमिल होने के मामले में समिति ऐसी शराब की बिक्री प्रतिबंधित रखने पर फोकस करेगी।
- मोहन यादव सरकार ने एक अप्रैल 2025 से धार्मिक महत्व वाले 17 शहरों सहित 19 स्थानों पर शराब की बिक्री को प्रतिबंधित कर रखा है। इससे यहां संचालित शराब की 47 दुकानें बंद हो गई हैं। जहां शराब बिक्री प्रतिबंधित की गई है उनमें उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मंडलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, अमरकंटक और सलकनपुर समेत कुछ अन्य धार्मिक महत्व वाले शहर और गांव शामिल हैं।

डिंडौरी जिले ने रचा स्वास्थ्य सशक्तिकरण का इतिहास

एक ही दिन में हुआ 48 हजार से अधिक बालिकाओं -महिलाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

डिंडौरी जिले ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत संचालित नवाचार "Sugadh Toori - Aaj Swasth, Kal Sashakt" अभियान के तहत जिले में एक ही दिन में 48,000 से अधिक बालिकाओं एवं महिलाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए Asia Book of Records °ß´ India Book of Records—दोनों में जिला डिंडौरी का नाम दर्ज किया गया है। जिले के नो-नेटवर्क क्षेत्रों में किए गए परीक्षणों का डिजिटल डाटा अभी अपलोड होना शेष है। प्रारंभिक आंकलन के अनुसार कुल हीमोग्लोबिन परीक्षणों की संख्या 50,000 से अधिक रही है। इससे यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

डिंडोरी जिले के 620 विद्यालयों एवं 9 महाविद्यालयों में आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया की समय पर पहचान, पोषण स्तर में सुधार तथा दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण के माध्यम से उनके समग्र सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। अभियान में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग की सक्रिय और समन्वित सहभागिता रही। बड़ी संख्या में बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर अपने हीमोग्लोबिन स्तर की जानकारी प्राप्त की, जिससे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

कलेक्टर ने गिनाई उपलब्धियां

नवाचार को मिली इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी साझा करने के लिए कन्या शिक्षा परिसर, रयपुरा (डिंडौरी) में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि यह रिकॉर्ड केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जिले की बालिकाओं एवं महिलाओं के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एनीमिया एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसे समय पर जांच, जागरूकता एवं पोषण प्रबंधन के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। डिंडौरी जिले ने यह सिद्ध कर दिया है कि दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में भी नवाचार, समर्पण और मजबूत प्रशासनिक समन्वय से असाधारण उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं।

भू-अर्जन मुआवजा गणना के लिए समिति हुई गठित

प्रदेश शासन ने समिति गठित कर आम नागरिकों से सुझाव मांगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार ने भू-अर्जन मुआवजा गणना फैक्टर निर्धारण के लिए समिति का गठन किया है। प्रमुख सचिव राजस्व विवेक कुमार पोरवाल ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा भू-अर्जन अधिनियम, 2013 के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन में मुआवजे की गणना फैक्टर के निर्धारण के संबंध में समिति का गठन किया गया है। यह समिति लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में गठित की गई है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप समिति के सदस्य हैं। प्रमुख सचिव पोरवाल ने बताया कि समिति द्वारा इस विषय पर जन मानस से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक व्यक्ति अपने सुझाव 30 जनवरी 2026 को सायं 5 बजे तक ई-मेल आईडी psrevenue@mp.gov.in पर भेज सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति समिति के अध्यक्ष से इस विषय में प्रत्यक्ष रूप से मिलना चाहता है, तो वह अपनी प्रस्तावित तिथि एवं समय भी इसी ई-मेल आईडी पर भेज सकता है।

सागर में एम.पी. ट्रांस्को के कार्मिकों ने सीखीं जीवन रक्षक तकनीकें

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी एवं शासकीय बुंदेलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर के संयुक्त तत्वावधान में सी.पी.आर. एवं अन्य ऐसे ही जीवन रक्षक तकनीकों'' पर प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। एम.पी. ट्रांस्को के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उप मुख्यालय- सागरकी पहल पर आयोजित हुई इस प्रशिक्षण कार्यशाला मे सागर के अधीक्षण अभियंता एम.वाय. मंसूरी, कार्यपालिक अभियंता एस.के. मुड़ा द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य एवं विषय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संयोजक सहायक अभियंता एम.ए. बेग एवं कनिष्ठ अभियंता जे.पी. असाटी के सतत् प्रयासों से आयोजित कंपनी के कार्मिकों एवं समाज के लिए बहुउपयोगी एवं जीवनरक्षक इस कार्यशाला के सफल आयोजन में एम.पी. ट्रांसको और मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र कंपनी सागर के करीब 100 मेंटनेन्स, ऑपरेटिंग एवं सुरक्षा कर्मियों ने हिस्सा लिया।

मेट्रो एंकर

गणतंत्र दिवस परेड-2026 में दिखेगी मध्यप्रदेश की भव्य झांकी

कर्तव्य पथ पर जीवंत होगी लोकमाता अहिल्या बाई की गौरव गाथा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गणतंत्र दिवस 2026 नई दिल्ली के %कर्तव्य पथ% पर मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और नारी शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस वर्ष मध्यप्रदेश की झांकी ÷पुण्य श्लोका लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर÷ के व्यक्तित्व और उनके महान कृतित्व पर केंद्रित होगी। यह वर्ष लोकमाता की 300वीं जयंती का है, जिसे प्रदेश सरकार झांकी के माध्यम से पूरे विश्व के सामने गर्व के साथ प्रस्तुत कर रही है।

मध्यप्रदेश की इस गौरवशाली विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान दिलाने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा %पीपुल्स च्वाइस अवार्ड% के अंतर्गत ऑनलाइन वोटिंग का आयोजन किया जा रहा है। वोटिंग की समय-सीमा 26 जनवरी से 28 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है।

झांकी का स्वरूप: आध्यात्म और विकास का संगम- झांकी के अग्र भाग में लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की वह चिर-परिचित वात्सल्यमयी प्रतिमा प्रदर्शित की जायेगी, जिसमें वे हाथ में शिवलिंग धारण किए हुए है। यह दृश्य भारतीय मातृशक्ति की सौम्यता और अदम्य आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है। झांकी के मध्य भाग में उन्हें अश्व पर सवार एक कुशल प्रशासक और वीरांगना के रूप में दिखाया जायेगा। झांकी के पिछले हिस्से में मां नर्मदा के तट पर स्थित ऐतिहासिक महेश्वर घाट, मंदिर और किले की भव्यता को उकेरा जायेगा।

महेश्वरी साड़ियां होंगी आकर्षण का केन्द्र

इसके साथ ही, लोकमाता द्वारा देश के विभिन्न कोनों में कराए गए मंदिरों के जीर्णोद्धार, जैसे— वाराणसी का काशी विश्वनाथ मंदिर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, सोमनाथ और जगन्नाथपुरी आदि को भी पैनल के माध्यम से दर्शाया जायेगा। झांकी का एक विशेष आकर्षण विश्व प्रसिद्ध महेश्वरी साड़ी का निर्माण करती महिलाएं रहेंगी, जो प्रदेश की आर्थिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। झांकी के साथ चलते लोक कलाकार अपनी लोक धुनों से समां बांधेंगे।

कुल 30 झांकियां होंगी शामिल

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की गरिमामयी उपस्थिति में निकलने वाली इस परेड में कुल 30 झांकियाँ शामिल होंगी, जिनमें 17 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की भागीदारी रहेगी। रक्षा मंत्रालय द्वारा इस वर्ष ५स्वतंत्रता का मंत्र-वंदे-मातरम५ तथा ५समृद्धि का मंत्र-आत्मनिर्भर भारत५ की विशेष थीम निर्धारित की गई है, जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश की झांकी लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती और उनके अद्वितीय आध्यात्मिक व प्रशासनिक योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगी।

टकराव से टूटती परंपरा

भारतीय संविधान में राज्यपाल का पद गरिमा, संतुलन और परंपरा का प्रतीक माना गया है। उसका काम है संविधान के अनुसार चलना और मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करना। पर, तमिलनाडु और केरल विधानसभा में जो हुआ, वह राज्य सरकार और राजभवनों के बीच चल रहे टकरावों की ताजा कड़ी है।

तथ्यों पर सवाल: केरल में पिनराई सरकार का आरोप है कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कैबिनेट से स्वीकृत अभिभाषण नहीं पढ़ा। कहा जा रहा है कि उन्होंने वे हिस्से छोड़ दिए, जिनमें बताया गया था कि केंद्र की नीतियों की वजह से केरल को किस तरह वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा है। वहीं, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा के सालाना सत्र की शुरुआत से पहले यह कहते हुए परंपरागत उद्बाटन भाषण नहीं पढ़ा कि उसमें तथ्य सही नहीं हैं और राष्ट्रगान का सम्मान नहीं किया गया।

दखल सही नहीं : संविधान और परंपरा - दोनों ही यह कहते हैं कि राज्यपाल को वही भाषण पढ़ना होता है, जिसे राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी हो। यह भाषण राज्यपाल का निजी विचार नहीं, चुनी हुई सरकार की नीतियों का आधिकारिक दस्तावेज होता है। संविधान के मुताबिक, राज्यपाल कैबिनेट की सलाह पर काम करते हैं। वह अपनी निजी राय या असहमति को अभिभाषण के जरिये व्यक्त नहीं कर सकते।

पद की गरिमा : देश की संघीय व्यवस्था में राज्यपाल का पद संवैधानिक मर्यादाओं के पालन से ज्यादा बंधा है। उनसे यह उम्मीद की जाती है कि वह संविधान के संरक्षक के तौर पर काम करेंगे और उनका कोई भी कदम राजनीतिक नहीं होगा। ऐसा नहीं है कि अभिभाषण पर आपत्ति पहली बार आई हो। लेकिन, पद की गरिमा यही कहती है कि उस वक्त राज्यपाल को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। सदन में खड़े होकर अभिभाषण को पढ़ने से इनकार करना गवर्नर की भूमिका को राजनीतिक रंग देता है।

संतुलन चाहिए : इन दोनों घटनाओं को अलग करके नहीं देखा जा सकता। दरअसल, जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल के साथ टकराव आम हो चुका है। तमिलनाडु के राज्यपाल पिछले मौकों पर भी अभिभाषण पूरा पढ़े बिना विधानसभा से निकल चुके हैं, जबकि केरल में लंबे समय से पेंडिंग बिल का मसला चल रहा है। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा था कि वह विधेयकों पर राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के लिए कोई न्यायिक समय सीमा निर्धारित नहीं कर सकता। वह फैसला शक्तियों के संतुलन को दर्शाता है। ऐसा ही संतुलन सरकारों और गवर्नर को भी दिखाने की जरूरत है।

पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा घड़ी

ललित गर्ग
स्वतंत्र स्तंभकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक 'खेला होगा' के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।

एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं।

अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए।

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है। महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं।

ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है-रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा। आगामी चुनाव जनता के लिए आत्ममंथन और आत्मनिर्णय का अवसर हैं-जहाँ मत केवल सत्ता नहीं, बल्कि बंगाल के भविष्य, उसकी संस्कृति और उसके लोकतांत्रिक आत्मसम्मान की रक्षा का माध्यम बनना चाहिए। बंगाल की बनती नई तस्वीर अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। यह तस्वीर संघर्ष और संभावनाओं, आशंकाओं और उम्मीदों से बनी है। एक ओर सत्ता का अनुभव और जनाधार है, तो दूसरी ओर आक्रामक विपक्ष और राष्ट्रीय राजनीति की ताकत। लोकतंत्र की यही खूबी है कि वह अंतिम शब्द जनता को देता है। बंगाल के मतदाता ही तय करेंगे कि शह-मात की इस राजनीति में अगली चाल किसकी होगी और कौन-सा पक्ष अंततः बाजी मारेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बलिदान दिवस पर विशेष

भारत माता की मुक्ति के लिए जीवन की आहुति देने वाले शहीद हेमू कलानी

प्रो रविप्रकाश टेकचंदानी
शिक्षाविद

भारत देश अपनी स्वतंत्रता के अमृत काल के सोपान पर आरूढ़ हो चुका है। इस तथ्य के आलोक में भारत भूमि के वीरों देशभक्ति का स्मरण किया जा रहा है। अखंड भारत के सुदूर पश्चिम क्षेत्र में स्थित सिंध क्षेत्र के योद्धा वीर सपूत हेमू कालानी का स्मरण आज समीचीन है ।स्वाधीनता आंदोलन के अप्रतिम योद्धा तथा भारत देश के गौरवशाली इतिहास के अमर वीर सपूत हेमू कालानी का स्मरण जन सामान्य में अत्यंत ही श्रद्धा विनम्रता आधार के साथ लिया जाता है। भारत माता को अंग्रेज आततायियों की दासता से मुक्त करने तथा संपूर्ण राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधने के लिए युवा हेमू कालानी ने अपने जीवन की आहुति दे दी थी। हेमू कालानी का जन्म 23 मार्च सन 1923 को सिंध प्रांत के सखर नामक शहर में हुआ था। माता का नाम जेठीबाई और पिता का नाम पेशूमल था। हेमू कालानी सखर के सुप्रसिद्ध तिलक हाई स्कूल में अध्ययन करते थे। वह मेधावी छात्र थे ।बाल्य काल से ही देश प्रेम की भावना उनके हृदय में अपना स्थान बना चुकी थी एक उदाहरण यहां प्रस्तुत करना चाहता हूं। 23 मार्च सन 1931 सरदार भगत सिंह की फांसी का दिन था और दूसरी तरफ उसी दिन नवयुवक हेमू का आठवां जन्मदिन था। लेकिन वह मात्र 8 वर्ष का बालक न तो कभी खिलौने लेने की जिद कर रहा था और न ही अपने माता-पिता से मिठाई ही मांग रहा था। हेमू अपने घर शहीद होने का अभ्यास कर रहा था। इस समय मां ने हेमू के इस कृत्य को देखा और आश्चर्यचकित होकर पूछा बेटा यह क्या कर रहे हो? हेमू ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया मां मैं भी शहीद भगत सिंह की तरह फांसी पर चढ़ूंगा। मां ने बालक हेमू को प्यार से समझाया और शीघ्रता से उसके हाथ से रस्सी ले ली। लेकिन उनको यह क्या मालूम था कि उनका प्रिय पुत्र हेमू एक दिन भारत माता को स्वतंत्र करने के लिए वास्तव में फांसी के फंदे को चूम लगा और शहीद हो जाएगा। यह भारत देश के पराधीनता के काल की घटना है ।जब आततायी अंग्रेज अपने क्रूर दमन चक्र से स्वतंत्रता के सिपाहियों से स्वतंत्रता के पुजारियो से जीवन जीने का अवसर और अधिकार छीन रहा था।आम समाज अंग्रेजों के निर्दयता पूर्ण व्यवहार से कराह रहा था ।ऐसे समय में भारतवासियों का आत्म सम्मान अंग्रेजों के प्रति रोष की अग्नि और विद्रोह की ज्वाला में धधक उठा जब युवा हेमू को फांसी की सज़ा सुनाई गई।

23 अक्टूबर 1942 की रात चारों तरफ सन्नाटा पसरा हुआ था और अचानक इस सन्नाटे को चीरती हुई टन टन की आवाज़ें आने लगी यह आवाज रेलवे पटरी से फिश प्लेट निकालते हुए तीन सिंधी नवयुवक विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्य से आ रही थी। यह सिंधी नवयुवक स्वराज सेवा के मार्गदर्शन में 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में कूद पड़े थे।

क्वेटा नामक शहर के आंदोलनकारी देश भक्तों को कुचलने के लिए कराची से अंग्रेज सिपाहियों की गोरी पलटन को लेकर जाने वाली विशेष रेलगाड़ी को उड़ा देने की योजना इन सिंधी नवयुवकों ने बना रखी थी। रेलवे लाइन के आसपास गश्त लगाते हुए अंग्रेज सिपाहियों ने यह टन-टन की आवाज सुनी। युवकों को फिश प्लेटें निकालते हुए देखकर वह बड़ी फुर्ती से उनकी ओर दौड़ कर टूट पड़े। इन युवकों में से दो युवक वहां से सफलतापूर्वक निकल गए। परंतु एक युवक वहीं पर डटा रहा सीना तानकर खड़ा रहा और पकड़ा गया ।यह सिंधी नवयुवक भारत माता का सपूत हेमू कालानी था। हेमू को गिरफ्तार किया गया ।उसे शारीरिक यातनाएं दी गई । साथियों के नाम बताने के लिए दबाव बनाया गया।

लेकिन इस वीर बालक ने अपनी जबान नहीं खोली। हेमू पर राजद्रोह का अभियोग लगाकर अंग्रेजों के सैनिक न्यायालय में मुकदमा चलाया गया। इस मुकदमे में उसे 10 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई । जो बाद में हैदराबाद मुख्यालय के प्रमुख शासक रिचर्डसन द्वारा फांसी में बदल दी गई। रिचर्डसन के आदेश में परिवर्तन करने के लिए हेमू कालानी पर माफी मांगने के लिए दबाव डाला गया । उस धीरोदात्त युवक ने साहसी युवक ने क्षमा मांगने से इनकार कर दिया । अंततः रिचर्डसन के निर्दयी निर्णय अनुसार 21 जनवरी सन 1943 के दिन भारत माता का यह वीर सपूत भारत माता की जय के उद्घोष के साथ फांसी के फंदे पर प्रसन्न भाव से चढ़ गया।

फांसी के पश्चात उसके पार्थिव शरीर का परंपरा अनुसार अंतिम संस्कार किया गया। सिंध के शहर सखर में उस दिन वीर हेमू को फांसी दिए जाने के विरोध में प्रदर्शन हुए हड़ताल रखी गई ।

भारत देश को अंग्रेजों के चंगुल से स्वतंत्र कराने के लिए देश के कोने-कोने से वीरों ने वीरांगनाओं ने अपने प्राण की आहुति दे दी थी। हेमू कालानी जैसे वीर नवयुवक के जीवन से यह प्रेरणा मिलती है कि नवयुवकों को देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत होकर अनुशासन में रहकर इस पवित्र भूमि की सुरक्षा करनी चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हार्वर्ड हेल्थ स्टडी: डाइट और फिजिकल एक्टिविटी का मेल घटाएगा चर्बी

वजन कैसे कम करें, पेट की चर्बी कैसे कम करें या पेट का मोटापा कैसे कम करें? ये सवाल सबसे ज्यादा पूछे जाते हैं। अधिकतर लोग बढ़ते वजन खासकर पेट की चर्बी से परेशान हैं। खासकर महिलाएं पेट के मोटापे को लेकर काफी दुखी रहती हैं। जाहिर है पेट का मोटापा आपकी बनावट ही खराब नहीं करता बल्कि कई गंभीर स्वास्थ्य

समस्याओं की वजह भी बनता है। जब भी वजन कम करने की बात आती है, तो अक्सर यह सवाल उठता है कि बेहतर डाइट ज्यादा जरूरी है या फिजिकल एक्टिविटी? इसका जवाब हार्वर्ड हेल्थ ने दिया है। हार्वड ने एक हालिया स्टडी के आधार पर बताया है कि यह दोनों ही उपाय बराबर जरूरी हैं।

2 इस शोध में बताया गया है कि सही खान-पान और रोजाना फिजिकल एक्टिविटी करते रहने से वजन और शरीर की चर्बी को सबसे बेहतर तरीके से कंट्रोल किया जा सकता है। इस रिसर्च में 7256 लोगों की हेल्थ डेटा को चेक किया गया। इनकी जांच दो बार की गई, जिनके बीच औसतन 7 साल का अंतर था। दोनों बार यह देखा गया कि वे मेडिटेरेनियन डाइट जिसमें फल-सब्जियां, साबुत अनाज, नट्स, जैतून का तेल आदि शामिल हैं को कितनी अच्छी तरह फॉलो करते हैं और उनकी फिजिकल एक्टिविटी कितनी है।

किन चीजों को मापा गया: इनकी एक्टिविटी को एक खास सेंसर के जरिए मापा गया, जो 72 घंटे तक हार्ट रेट और मूवमेंट ट्रैक करते थे। शोधकर्ताओं ने वजन, कमर का आकार और शरीर की कुल चर्बी मापी। इसके अलावा दो खास तरह के फैट सबक्यूटेनियस फैट और विसरल फैट पर ज्यादा ध्यान दिया गया।पेट की चर्बी को मेडिकल भाषा में विसरल फैट कहा जाता है। यह पेट के अंदर गहराई में जमा होती है। विसरल फैट सबसे ज्यादा नुकसानदेह मानी जाती है क्योंकि यह डायबिटीज, दिल की बीमारी, फैटी लिवर और अन्य गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ाती है। स्टडी में पाया गया कि जो लोग मेडिटेरेनियन डाइट को बेहतर तरीके लेते थे और ज्यादा एक्टिव रहते थे उनमें समय के साथ वजन बढ़ना कम हुआ। साथ ही उनकी कुल बॉडी फैट, कमर का साइज और खासकर विसरल फैट में ज्यादा कमी देखी गई।

वैज्ञानिकों की सलाह: शोधकर्ताओं ने देखा कि सबसे अच्छे नतीजे उन लोगों में मिले, जिन्होंने डाइट और फिजिकल एक्टिविटी दोनों में एक साथ सुधार किया। इन लोगों में शरीर की चर्बी, खासकर पेट के अंदर जमी खतरनाक फैट, सबसे ज्यादा कम हुई।

सुविचार

आज आप जो दर्द महसूस करते हैं, वही कल आपकी ताकत बन जाएगा। -अज्ञात

निशाना

डूबी ज़ब कश्तियाँ..!

कुमार अखिलेश

स्वर्ग से भी बढ़कर तुमको वतन प्यारा दिया है,
ईश्वर ने यह अनुपम उपहार न्यारा दिया है।
डूबी जब कश्तियां अमीर-ए-शहर की,
तब गरीबे-ए-शहर ने ही किनारा दिया है।
आसमान वालों ने जब दिया है धोखा,
तब ज़मीन वालो ने ही सहारा दिया है।
अपनों ने जब जब ठुकराया है तुमको,
तब गैरों ने ही साथ तुम्हारा दिया है।
बना लो अपना मुकाम आसमां पर तुम भी,
की तुम्हें उड़ने के लिए जहान सारा दिया है।
मिले कितने मीठे दरिया समंदर में जाकर,
फिर भी इसने नीर तुमको खारा दिया है।
मिटाकर सब कुछ अपना चमन के खातिर,
शहीदों ने तुमको गुलशन- ए- बहारा दिया है।
बुझाकर अपने चरागों को वतन की खातिर,
माओं ने तुमको चमकता सितारा दिया है।

चाइल्ड सेफ्टी

ऑस्ट्रेलिया के बाद ब्रिटेन में छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया बंद करने के आसार

ऑस्ट्रेलिया के बाद अब ब्रिटेन की सरकार बच्चों के लिए सोशल मीडिया को बैन कर सकती है। दरअसर ब्रिटेन ने यह उठाने का विचार शुरू कर दिया है। बता दें कि पिछले ही महीने ऑस्ट्रेलिया ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बना था। ऑस्ट्रेलिया ने देश में 6 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी थी। अब यूके भी इसी रास्ते पर चलने की सोच रहा है। वहा सरकार ने कहा कि वह दुनियाभर के सबूतों का अध्ययन करेगी और देखेगी कि क्या यह बैन असरदार होगा या नहीं। साथ ही, एआई से बना कंटेंट और न्यूड तस्वीरों की समस्या से निपटने के लिए भी सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि वह कई विकल्पों पर विचार कर रही है। इसमें डिजिटल सहमति की उम्र बढ़ाना पहला कदम हो सकता है। बता दें कि यह फिलहाल 13 साल है। दूसरा उपाय फोन कर्फ्यू लगाना हो सकता है ताकि बच्चे फोन का ज्यादा इस्तेमाल न करें और तीसरा स्ट्रीक्स या लगातार स्क्रॉल किए जाने वाले कंटेट पर रोकना हो सकता है क्योंकि ये फीचर लत लगाने का काम करते हैं। इसे लेकर यूके के मंत्री ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी करेंगे और वहां के तरीकों को समझेंगे। सरकार यह भी देख रही है कि उम्र की जांच के तरीके को कैसे बेहतर बनाया जाए ताकि बच्चे झूठे अकाउंट न बना सकें। इस महीने एलन मस्क के Grok AI चैटबॉट ने बिना सहमति के अश्लील तस्वीरें बनाई थी, जिनमें बच्चों की अभद्र तस्वीरें भी शामिल थीं। इससे दुनियाभर में हंगामा मच गया। च ने ऐसे टूल्स जो कपड़ों को हटाकर न्यूड फोटो बनाते हैं पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की योजना

बनाई है। सरकार यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि बच्चे अपने डिवाइसेज पर न्यूड तस्वीरें न ले सकें, न शेयर कर सकें और न ही देख सकें।

राजनीतिक बहस भी शुरू: यूके में विपक्ष की नेता केमी बेडेनोच ने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में होती तो वे पहले ही 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन कर चुके होते। उन्होंने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर देरी करने का आरोप लगाया है। हालांकि इससे पता चलता है कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही इस कदम के पक्ष में हैं।

रिसर्च /इनोवेशन

अब हवा में दौड़ेगी बिजली, वैज्ञानिकों ने खोजा बिना तारों के करंट भेजने का तरीका

क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आप बिजली से चलने वाले किसी उपकरण को बिना तार के चला पाएं? दरअसल यह कोई कोरी कल्पना नहीं बल्कि अब हकीकत है। फिनलैंड के वैज्ञानिकों ने बिना तारों के हवा में बिजली दौड़ाने का तरीका खोज निकाला है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में बिजली से चलने वाले उपकरण बिना तारों के ही काम कर पाएंगे। बिना किसी तार या केबल के बिजली भेजने के इस प्रयोग में आवाज की तरंगों, लेजर किरणों और रेडियो फ्रीक्वेंसी का इस्तेमाल किया गया। यह टेक्नोलॉजी आने वाले समय में हमारे घरों, फैक्ट्रियों और गैजेट्स को पूरी तरह से बदल कर रख सकती है।

रिपोर्ट्स के अनुसार बना किसी तार के हवा में बिजली दौड़ाने का कारनामा यूनिवर्सिटी ऑफ हेलसिंकी और यूनिवर्सिटी ऑफ ओउलू के वैज्ञानिकों ने मिलकर किया है। इन वैज्ञानिकों ने अल्ट्रासोनिक साउंड वेव्स और रेडियो तरंगों को मिलाकर हवा में बिजली दौड़ाने का काम किया है। इस टेक्नोलॉजी को एकॉस्टिक वायर कहा जाता है, जिसका मतलब आवाज से बना अदृश्य तार होता है। यह टेक्नोलॉजी तेज अल्ट्रासॉनिक आवाज के जरिए हवा में एक रास्ता बनाने का काम करती है, जिस पर बिजली सुरक्षित तरीके से चल पाती है। यही वजह है कि इस तकनीक के जरिए बिजली को डिवाइस तक बिना किसी तार के पहुंचाया जा सकता है।

भले सुनने और समझने में यह तकनीक किसी जादू सी लगे लेकिन यह साइंस के नियमों को नहीं तोड़ती। इसके उलट यह तकनीक पूरी तरह से विज्ञान के सिद्धांतों का ही पालन करती है। इस तकनीक में अल्ट्रासोनिक तरंगें हवा की डेंसिटी को बदलकर एक रास्ता तैयार करती है। इसे आप एक अदृश्य तार की तरह समझ सकते हैं। इसके बाद लेजर की मदद से बिजली एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंच पाती है। इस प्रयोग से जो चीज हासिल हुई है वो ये है कि इसमें ऊर्जा को सटीक तरीके से कंट्रोल किया जा सका है।

हमारी जिंदगी में क्या बदलेगा?: इस प्रयोग ने साबित किया है कि बिजली इस्तेमाल करने के लिए तारों की जरूरत नहीं है। फिनलैंड में इजाद हुई इस टेक्नोलॉजी को जब बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाने लगेगा, तो भविष्य में हमें बिना तारों वाली घर, ऑफिस और फैक्ट्रियां देखने को मिल सकती हैं। फिलहाल यह टेक्नोलॉजी छोटे उपकरणों के लिए है। आने वाले समय में इसे रोजमर्रा की चीजें चलाने में इस्तेमाल होने के लिए तैयार किया जाएगा।

खुले मंच पर हों सांस्कृतिक कार्यक्रम, पैसे बचाकर करें इंडोर स्टेडियम का निर्माण

अजय आहूजा, मंडीदीप

नगर पालिका द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले 4-दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर जोरदार बहस छिड़ गई है। स्थानीय रहवासी एवं खेल प्रेमी इस आयोजन के लिए लगाए जा रहे भारी-भरकम खर्च वाले डोम के बजाय पुरानी व्यवस्था यानी टेंट में कार्यक्रम कराने की मांग कर रहे हैं, ताकि बची हुई राशि से शहर में इंडोर स्टेडियम का निर्माण हो सके। नगर पालिका द्वारा पिछले कुछ वर्षों से गणतंत्र दिवस के दौरान सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं खेल मैदान में 70×150 वर्ग फीट का डोम लगाकर आयोजित की जा रहीं है। इस पर प्रतिवर्ष करीब 25 लाख रुपये का खर्च आ रहा है। वहीं, वर्ष 2018 तक यह आयोजन नपा के मंच और सामने मैदान में टेंट लगाकर किया जाता था, जिसका खर्च महज 5-6 लाख रुपये ही था। इसके अलावा खेल मैदान में डोम लगने से कार्यक्रम देखने वाले दर्शकों की संख्या

सीमित हो गई है। पहले टेंट व्यवस्था में देर रात तक बड़ी संख्या में लोग मैदान पर बैठकर कार्यक्रमों का आनंद लेते थे, लेकिन अब डोम के कारण केवल सीमित लोग ही अंदर प्रवेश कर पाते हैं।

टेंट में कराएं कार्यक्रम, पैसा खेल सुविधाओं पर लगाएं: शहर में अंतर-विद्यालय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं की शुरुआत करने वाली समिति के सदस्य गणेश शर्मा बताते हैं कि वर्ष 1995 में जनसहयोग से शासकीय प्राथमिक कन्या शाला के पास रिक्त जमीन पर बास्केटबॉल मैदान बनाया गया था, जो आज भी अच्छी स्थिति में है। यदि नगर पालिका डोम पर खर्च होने वाली राशि बचाकर इसी मैदान पर शेड (छत) बनवा दे, तो यह पूरे साल इंडोर स्टेडियम के रूप में काम कर सकता है। यहां वॉलीबाल, कबड्डी, बास्केटबॉल, खो-खो, बैडमिंटन, कराटे जैसे कई खेल आयोजित हो सकेंगे। शर्मा आगे कहते हैं कि बीते वर्षों में डोम पर एक करोड़ से ज्यादा रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन इससे नगर के बच्चों और खिलाड़ियों को कोई लाभ नहीं मिला।

खेल प्रशिक्षको सुझाव- खेल विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा बास्केटबॉल मैदान पर बेस तैयार करके शेड (छत) बनवाया जा सकता है, जिससे कम खर्च में एक उपयोगी इंडोर स्टेडियम तैयार हो जाएगा। इससे जहां शहर के युवा और छात्र पूरे साल मौसम की मार झेलने के बिना खेल सकेंगे, वहीं यहां बड़े स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा सकेंगी।

नगरपालिका द्वारा आयोजित चार दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन पर बहस

नपा को राजनीतिक दिखावे की बजाय बच्चों के हित को सर्वोपरि रखकर आयोजन को व्यवस्थित करना चाहिए जिससे कार्यक्रम का स्वरूप भी न बिगड़े ओर बच्चों को खेलों की बुनियादी सुविधाएं भी मुहैया कराई जा सके।
- **सौरभ तिवारी**, वरिष्ठ नागरिक मंडीदीप

खेल एवं सांस्कृतिक आयोजन को लेकर नपा का जो बजट सामने आता है उसमें बच्चों को ट्राफी के अलावा कुछ हासिल नहीं हो रहा है, जरूरत खेल संसाधन बढ़ाने की है।
- **कपिल पाठक**, स्कूल संचालक मंडीदीप

शहर में व्यवस्थित इंडोर ओर आउटडोर स्टेडियम की सुविधा मिलने से खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।
- **निसार उल्ला**, वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक

नपा द्वारा पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों के स्वरूप की मुझे जानकारी नहीं है, अगर टेंट में बेहतर आयोजन हो सकते हैं तो इस पर चर्चा की जाएगी। - **प्रशांत जैन**, नपा सीएमओ

'शिशु वाटिका' के नवीन भवन का लोकार्पण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर के नवीन भवन शिशु वाटिका का लोकार्पण कार्यक्रम प्रांतीय संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी उमेश सोनी द्वारा किया गया। माहेश्वरी ने कहा कि शिशु वाटिका केवल एक संरचना नहीं, बल्कि संस्कारों की पाठशाला है। बालक की आयु के प्रथम पाँच वर्ष उसके भविष्य की नींव होते हैं, और शिशु वाटिका इसी नींव को मजबूत करने का कार्य करती है। श्री महेश्वरी ने इस बात पर जोर दिया कि छोटे बच्चों को किताबों के बोझ के बजाय खेल-खेल में सिखाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विद्या भारती की शिशु वाटिका पद्धति वैज्ञानिक आधार पर विकसित की गई है, जो बालक के स्वाभाविक विकास में सहायक है। शिशु मंदिर की यह शिशु वाटिका सिरोंज के भैया/बहिनों के विकास के लिए, उज्जवल भविष्य के लिए एवं सर्वांगीण विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य सत्यनारायण शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पूजन के साथ ही फीता काटकर नवनिर्मित भवन को नन्हे मुन्नों के शिक्षण हेतु समर्पित किया। नन्हे भैया-बहिनों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में भूमिका प्राचार्य संजय पाराशर तथा आभार सचिव नरेंद्र दांगी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विभाग समंवयक अंकित शुक्ला, बीआरसी जितेन्द्र श्रीवास्तव, समिति उपाध्यक्ष सरला भार्गव सहसचिव पंकज श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष संदीप बघेल, डॉ. हर्षवर्धन शर्मा, मदनमोहन गुजराती, विष्णु बाबूगर्ग, नवीन जैन, कैलाश रघुवंशी, कीर्ति सोनी, ऊषा शर्मा तथा भूतेश्वर विद्यालय प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह कुर्मी आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया अस्पताल का निरीक्षण

इटारसी, दोपहर मेट्रो। अनुविभागीय अधिकारी नीलेश शर्मा द्वारा केसला ब्लाक स्थित सुखतवा उपस्वास्थ केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉक्टर, समस्त स्टाफ एवं मरीजों से चर्चा की गई जिसमें साफ सफाई ,ओपीडी, इमरजेंसी केसों के बारे में बारीकी से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके पश्चात ग्राम भरगदा में भी एकलव्य आवासीय विद्यालय का भी निरीक्षण किया, जिसमें छात्र-छात्राओं से शिक्षा के महत्व एवं उज्जवल भविष्य निर्माण के लिए अभिप्रेरित किया गया। साथ ही बालक छात्रावास का भी निरीक्षण किया,जिसमें छात्रों को मिलने वाली आवश्यक सुविधाएं जैसे भोजन व्यवस्था, पीने का पानी, रसोईघर, सफाई का जायजा लिया। प्राचार्या एवं उपस्थित स्टाफ के साथ भोजन ग्रहण कर भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। इस दौरान प्राचार्या नागर,अतिरिक्त तहसीदार हीरू कमरे एवं अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता आयोजित

इटारसी, दोपहर मेट्रो। खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता का आयोजन वीर सावरकर स्टेडियम पुरानी इटारसी में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन पंकज चौरे अध्यक्ष नगर पालिका, कार्यक्रम की अध्यक्षता जयकिशोर चौधरी जिला अध्यक्ष पिछड़ावर्ग प्रकोष्ठ, अशोक मालवीय अध्यक्ष जिला पिट्ठू संघ, जाफर सिद्दीकी सचिव जिला पिट्ठू संघ, देवेंद्र परिहार, चंचल पटेल, पार्षद जिमी केथवास, कुंदन गौर, सपना गिरधारी प्राचार्य शासकीय कन्या उमा विद्यालय पुरानी इटारसी, गीता चौधरी संरक्षक आर्चरी खिलाड़ी इटारसी, दीप सिंह ठाकुर एवं महेंद्र पचलानिया खेल एवं युवक कल्याण विभाग नर्मदापुरम, पुरुषोत्तम चौधरी, अयूब खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। सचिव जाफर सिद्दीकी ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के नर्मदापुरम विकासखंड, सिवनी मालवा, सोहागपुर, बाबई के 110 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के मैच लीग पद्धति से खिलाए गएद्य प्रतियोगिता के फाइनल मैच में नर्मदापुरम विरुद्ध सिवनी मालवा के बीच बालिका का मैच खेला गया, जिसमें सिवनी मालवा ने 47 के मुकाबले 63 पॉइंट से इस मैच को जीत लिया। बालक वर्ग का फाइनल मैच बनखेड़ी वर्सेस सिवनी मालवा के बीच खेला गया जिसमें सिवनी मालवा ने 63 के मुकाबले 207 पॉइंट से जीत लिया। बालिका वर्ग में सिवनी मालवा प्रथम, नर्मदापुरम द्वितीय तथा बनखेड़ी की टीम तृतीय स्थान पर रहीद्य बालक वर्ग में सिवनी मालवा प्रथम, बनखेड़ी द्वितीय तथा नर्मदापुरम की टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में शरद मंडलोई सिवनी मालवा, रितेश लोवंशी, निखिल लोवंशी एवं वंश मालवीय ने अपनी भूमिका निभाई। प्रतियोगिता प्रभारी अश्वनी मालवीय ने बताया कि जिले से जिला स्तरीय टीम का चयन किया जाएगा, जो आगामी 21 एवं 22 जनवरी को आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में नर्मदापुरम जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

समरसता सहभोज के साथ आयोजित हुआ हिंदू सम्मेलन

हिन्दुओं की एकता ही सनातन धर्म की धुरी : माहेश्वरी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पथरिया खंड के ग्राम बगरोदा में मंगलवार को हिंदू सम्मेलन एवं समरसता सहभोज का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ ही मुख्य अतिथि एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और गौमाता का पूजन कर किया गया इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां प्रस्तुत भी दीं।

इस अवसर पर विद्या भारती के प्रांतीय संघठनमंत्री निखिलेश माहेश्वरी ने कहा कि आज भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, जो हिंदू समाज की एकता और संगठन की शक्ति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण की प्रतीक्षा हिंदू समाज ने लगभग 500 वर्षों तक की और आज यह सपना साकार होने की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ चुका है। यह समाज की संगठित चेतना और धैर्य का प्रतीक है। उन्होंने हिंदू समाज से समरसता, अनुशासन और संगठन के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर लिए गए पंच प्रण की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज यदि हिंदू समाज संगठित नहीं होगा तो हमें फिर से कहीं ऐसी ही बर्बरता का सामना न करना पड़ जाए इसलिए अभी भी समय है हमें असामाजिक तत्वों और

देश विरोधी ताकतों से इस मातृभूमि की रक्षा के लिए संकल्पित होना पड़ेगा आज हमें जात-पात से ऊपर उठकर सिर्फ हिंदू होने की भावना को अपने हृदय में स्थान देना होगा ।वहीं संजय मेहता जी ने भी परिवार को संगठित करने और कुटुंब प्रबोधन पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारे हमारे परिवारों को सबसे पहले संगठित होना पड़ेगा। आज हमें श्री राम चरित्र मानस के संपूर्ण अर्थ को अपने जीवन मे यथार्थ रूप से लाना होगा जिस तरह पूरे रामचरितमानस में त्याग की भावना एक दूसरे को जोड़कर रखे हुए थी वही हमें अपने परिवारों में भी एक रहने की भावना जागृत करना होगी तब हम एक संगठित परिवार और एक संगठित समाज का निर्माण कर सकते हैं कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती और सकल समाज के समरस भोज के साथ सम्पन्न हुआ।

अक्षत कलश वितरण के साथ शुरू हुईं हिंदू सम्मेलन की तैयारियां

घर-घर पहुंचेगा न्योता, 50 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान

मंडीदीप, दोपहर मेट्रो

शहर में आगामी 23 जनवरी को सतलापुर रोड स्थित दशहरा मैदान पर सकल हिन्दू समाज के तत्वाधान में आयोजित होने वाले विराट हिन्दू सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। इस भव्य आयोजन के लिए मंगलवार दोपहर 2 बजे दशहरा मैदान पर अक्षत कलश वितरण का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न टोलियों के सदस्यों ने अक्षत कलश प्राप्त किए, जो शहर की अलग-अलग बस्तियों और मोहल्लों में पहुंचाए जाएंगे। टोली सदस्य हिन्दू परिवारों को अक्षत देकर सपरिवार सम्मेलन में शामिल होने का न्योता देंगे। यह अभियान हिन्दू समाज में एकता और जागरण का संदेश घर-घर तक पहुंचाने

का माध्यम बनेगा। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस विराट हिन्दू सम्मेलन में करीब 50 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज से जाति-पाति, ऊंच-नीच का भेदभाव मिटाना, सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर एकता, जागरण और राष्ट्रबोध का संकल्प दिलाना है।
आयोजकों ने सभी हिन्दू समाज बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित इस ऐतिहासिक सम्मेलन में भाग लें और हिन्दू एकता को मजबूत बनाने में योगदान दें।

नर्मदा प्रकटोत्सव की तैयारियों में आई तेजी

नपाध्यक्ष व सीएमओ ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा प्रकटोत्सव की तैयारियों को लेकर मंगलवार को नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने समूचे नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी ली और सफाई अभियान को तेजी से चलाने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण में उपयंत्री दीक्षा तिवारी, आयुषी रिछरिया, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी, सुपरवाईजर तथा पार्षद प्रतिनिधि पूनम मेषकर भी मौजूद रहीं।

अलसुबह इंदिरा चौक पर विशेष सफाई अभियान का जायजा : नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने सुबह-सुबह इंदिरा चौक पर चल रहे विशेष सफाई अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों को तेजगति देने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि स्वच्छता में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
बिजली कार्यालय के पास नाली सफाई के तत्काल आदेश
बिजली कार्यालय के पास नाली चोक होने की शिकायत पर नपाध्यक्ष और सीएमओ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने स्वच्छता टीम को तुरंत सफाई करने के निर्देश दिए, जिससे समस्या का समाधान हो गया।

बस स्टैंड व पुराने आरटीओ कार्यालय में वाहनों का निरीक्षण: नपाध्यक्ष व सीएमओ ने बस स्टैंड के पास स्थित पुराने आरटीओ कार्यालय पहुंचकर नगरपालिका के सभी वाहनों का जायजा लिया। खराब वाहनों की फौरन मरम्मत कराने के निर्देश जारी किए गए।

भोपाल तिराहे पर तेजी से चल रहा निर्माण कार्य: लाल पत्थर से निर्मित भोपाल तिराहे का अवलोकन करने पहुंचीं नपाध्यक्ष ने कार्य को गुणवत्तापूर्ण और तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। मंगलवार देर शाम तक तिराहे पर लगे डीपी और खंभे हटा दिए गए हैं।

श्रीरामलीला मैदान व मंगल भवन की व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश: अन्य स्थानों पर निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष ने वार्ड नंबर 4 के श्रीरामलीला मैदान का दौरा किया। वहां सफाई-सुगम व्यवस्था सुदृढ़ करने और मैदान की विशेष सफाई के आदेश दिए। मंगल भवन का भी जायजा लिया गया।

बगीचा कॉलोनी में नाली पर अवैध अतिक्रमण कर निर्माण जारी

नागरिकों में आक्रोश

मंडीदीप, दोपहर मेट्रो

वार्ड नंबर 1 स्थित बगीचा कॉलोनी में नाली पर अतिक्रमण कर भवन निर्माण का मामला सामने आया है, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी रोष व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, बगीचा कॉलोनी में भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव के घर के ठीक सामने साहू परिवार द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस दौरान नगर पालिका द्वारा कॉलोनी में बनाई गई सड़क और नाली पर अतिक्रमण करते हुए कालम खड़े किए जा रहे हैं। इससे न केवल वर्षा या अन्य जल निकासी पूरी तरह अवरुद्ध होने की आशंका है, बल्कि सड़क पर आने-जाने वाले वाहनों का यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। स्थानीय निवासियों ने इस अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अतिक्रमणकर्ता द्वारा दबंगई दिखाते हुए शिकायतकर्ता के साथ अभद्रता कर दी गई।
निवासियों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे समस्या और गंभीर होती जा रही है। वहीं नपा उपाध्यक्ष पुष्पा प्रेमशंकर साहू ने बताया कि कॉलोनी में अगर निर्माण कार्य नाली पर अतिक्रमण कर किया जा रहा है तो उसे रुकवाया जायेगा। इधर नपा सीएमओ प्रशांत जैन का कहना है कि नाली पर निर्माण कार्य की शिकायत आई है टीम को भेजकर जांच कराकर उचित कार्यवाही की जाएगी।

मेट्रो एंकर सनातन चेतना और सामाजिक समरसता के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया शहर

हिंदू संगठित रहेगा तभी हिंदुस्तान सुरक्षित रहेगा

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

नगर सनातन चेतना और सामाजिक समरसता के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया। नगर में आयोजित हुए विराट हिंदू सम्मेलन के अवसर पर निकली शोभायात्रा, समरसता भोज और जगद्गुरु के संदेश ने पूरे शहर को एक सूत्र में बांध दिया। जगतगुरु डॉ. रामकमलाचार्य वेदांती महाराज ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू समाज यदि जाति, पंथ और क्षेत्रवाद में बंटा रहेगा तो न समाज सुरक्षित रहेगा और न ही राष्ट्र। हिंदुत्व नारे नहीं, बल्कि आचरण, चरित्र और सेवा से प्रकट होता है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति भेदभाव नहीं सिखाती, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति को गले लगाने की प्रेरणा देती है। भगवान श्रीराम

द्वारा शबरी के बेर स्वीकार करना और निषादराज को अपनाना इसी परंपरा का प्रतीक है। जगतगुरु जी ने कहा कि 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने चेताया था कि जातियों और मतों में बंटा समाज कमजोर हो जाता है। समाज की शक्ति संगठन, समरसता और संस्कारों में है। मलिन बस्तियों में जाकर, कमजोर वर्ग के साथ बैठकर उनके सुख-दुख में सहभागी बनना ही सच्चा हिंदुत्व है। देश की बलिदानी परंपरा का स्मरण करते हुए संत राजाराम मस्ताना जी ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के त्याग और भगत सिंह के बलिदान का उल्लेख किया। कहा गया कि हिंदू समाज तभी सुरक्षित रहेगा जब वह संगठित, जागरूक और चरित्रवान रहेगा। संत राजाराम मस्ताना ने कहा कि जब हिंदू समाज संगठित रहेगा, तभी यह देश सुरक्षित रहेगा। समाज को आपसी मतभेद भुलाकर साझा विरासत और संस्कृति को मजबूत करना होगा।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला विभाग प्रचारक सौरभ सिंह ने कहा कि आज के हिंदू समाज को अपने पूर्वजों को याद करना चाहिए, जिन्होंने देश और धर्म की रक्षा के लिए अपने पूरे वंश तक का बलिदान दे दिया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसका संगठन है। 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण इस बात का प्रमाण है कि जब हिंदू समाज संगठित होता है, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

एकजुट होना जरूरी

सौरभ सिंह ने कहा कि आज समय की मांग है कि समाज पांच प्रमुख परिवर्तनों सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य पर एकजुट होकर कार्य करे। कथावाचक कृष्णप्रिया ने कहा कि केवल तिलक लगाने, वस्त्र पहन लेने या मंचों से भाषण देने से कोई हिंदू नहीं बन जाता। हिंदू वह है, जिसके आचरण, व्यवहार और कर्म में राम और कृष्ण झलकें। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भगवान राम को इसलिए मानती है क्योंकि उन्होंने जीवनभर मर्यादा का पालन किया।

माया नारोलिया ने दिए हिंदी प्रचार के सुझाव

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में इंदिरा पर्यावरण भवन में मंगलवार को हिंदी सलाहकार समिति की बैठक हुई। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने सदस्य के रूप में भाग लिया और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।श्रीमती नारोलिया ने कहा कि हिंदी देश की व्यापक जनसंख्या से जुड़ने का सशक्त माध्यम है। सरकारी कार्यों में इसका प्रभावी उपयोग बढ़ाने से जनहित नीतियों का सरल संप्रेषण संभव होगा। उन्होंने हिंदी की भूमिका को सशक्त बनाने पर बल दिया। मंत्री भूपेंद्र यादव ने सदस्यों के सुझावों की सराहना की। उन्होंने मंत्रालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा जनता तक सूचनाएं सरल भाषा में पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में हिंदी संवर्धन की योजनाओं पर चर्चा हुई।

शिक्षा मंत्री से विधायक ने की सौजन्य भेंट

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने मंगलवार को मध्यप्रदेश सरकार के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के भोपाल स्थित निवास पर पहुंचकर सौजन्य भेंट की।इस अवसर पर सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान परिवहन व्यवस्था, शिक्षा नीति तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। चर्चा में दोनों नेताओं ने क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक कदमों पर सहमति जताई।इस भेंट में सलकनपुर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री महेश उपाध्याय भी उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

सादलपुर में पुलिस जवानों ने निकाला फ्लैग मार्च

धार। आगामी 23 जनवरी को मनाए जाने वाले बसंत पंचमी पर्व को लेकर आम जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत करने और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सादलपुर पुलिस द्वारा शहर में भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया, इस फ्लैग मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स, जिला पुलिस एवं अन्य सशस्त्र बलों की कंपनियां शामिल हुई। 23 जनवरी को बसंत पंचमी का त्यौहार है और इसी दिन मुस्लिम समाज भी भोजशाला में नमाज अदा करता है, इसी को लेकर प्रशासन अत्यधिक सर्तकता बरत रहा है।

सादलपुर में मंगलवार को निकाले गए फ्लैग मार्च के दौरान ग्रामीणों ने मार्च पर पुष्प वर्षा भी की। मार्च में बदनावर एसडीओपी अरविन्द तोमर के साथ सादलपुर थाना प्रभारी सविता चौधरी के साथ पुलिस के जवान शामिल हुए।

पुलिस अधीक्षक ने वैध वारिस सचिन पाठक को सौंपा अनुकंपा नियुक्ति पत्र

शहडोल । पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने कोतवाली शहडोल में पदस्थ रहे आरक्षक स्व. महेश प्रसाद पाठक की 7 दिसम्बर 2025 को बस स्टैण्ड शहडोल में डियूटी के दौरान हुई असामयिक मृत्यु के उपरांत उनके वैध वारिस पुत्र सचिन पाठक, निवासी ग्राम सथिनी, तहसील सिरमौर, जिला रीवा को आरक्षक पद हेतु अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपा।

पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने सचिन पाठक को समझाइश देते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति परिवार के जीविकोपार्जन हेतु दी जाती है। उन्होंने कहा कि माता की आजीवन सेवा करते रहना चाहिए, क्योंकि वे अपने बच्चों के सहारे ही जीवन यापन करती हैं। साथ ही उन्होंने किसी के बहकावे में न आने एवं किसी भी प्रकार के गलत कार्य नहीं करें। अनुकंपा नियुक्ति के माध्यम से प्राप्त दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ करें।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान एवं थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी उपस्थित रहे।

मंडला के कान्हा टाइगर रिजर्व में एक माह के भीतर दूसरे तेंदुए की मौत, वन अमला अलर्ट

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व में एक माह के भीतर तेंदुए की दूसरी मौत दर्ज की गई है। इस घटना से वन विभाग में चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार किसली रेंज के मोचीदादर क्षेत्र में गश्त कर रहे वनकर्मियों को एक तेंदुए का शव मिला। इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई।

सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। रात में ही घटनास्थल पर कैमरा ट्रैप लगाए गए, जिनमें बाघ की मौजूदगी सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। मंगलवार को वन्यजीव चिकित्सक ने तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम किया। अब इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है।

बसंत पंचमी : एएसआई के नियमों का हो पालन, 1 से 3 बजे तक का समय नमाज के लिए छोड़े

भोजशाला में पूजा और नमाज को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सोशल मीडिया पोस्ट ने बढ़ाई सरगर्मी

धार। दोपहर मेट्रो

आगामी 23 जनवरी को बसंत पंचमी और और इसी दिन शुक्रवार होने से मुस्लिम समाज की नमाज का दिन भी रहता है, हिंदु समाज शुक्रवार को पूरे दिन सुर्योदय से सूर्यास्त अखंड पूजा की मांग को लेकर अड़ा है तो मुस्लिम समाज भी एएसआई के आदेश के परिपालन का प्रशासन को हवाला देते हुए दोपहर 1 बजें से 3 बजें तक नमाज की मांग कर रहा है, हालांकि 22 जनवरी को अंखड पूजा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई है, सुनवाई से पह ही दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सरगर्मी बढ़ा दी है।

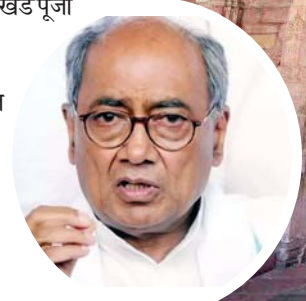

पूजा और नमाज को लेकर किया पोस्ट

दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि इस वर्ष बसंत पंचमी का त्योहार शुक्रवार को आ रहा है,पूर्व में भी आया है और केंद्र सरकार के निर्णय अनुसार धार जिला प्रशासन ने उसे शांति से दोनों पक्षों से मिल कर मनाने की व्यवस्था की थी। मैं प्रशासन व सरकार से ये कहना चाहूँगा कि एएसआई द्वारा 2003, 2013 व 2016 में पहले ही अपने दिए गए आदेश में यह सपष्ट कर चुका है कि जब भी कभी बसंत पंचमी का त्योहार और शुक्रवार की नमाज़ साथ में होती है तो बसंत पंचमी की पूजा सूर्योदय से लेकर 1 तक और उसके बाद 3, 30 बजे से सूर्यास्त तक की जाएगी और दोपहर 1 से 3 का समय शुक्रवार की नमाज़ अदा करने के लिए छोड़ा जाएगा। इस स्थिति में सरकार व प्रशासन की ये ज़िम्मेदारी है एएसआई द्वारा पारित किए गए आदेश की पूर्ण पालन किया जाए और धार में अमन शांति का पैग़ाम दिए जाने की पूरी कोशिश करते हुए सांप्रदायिक उन्माद व अफ़वाह फैलाने वालो पर सख्त कार्यवाही की जाए। मैं सभी हिन्दू मुसलमान भाइयों से सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने की अपील करता हूँ। हमारा प्रदेश अमन का प्रतीक है और सरकार व प्रशासन की ये नैतिक ज़िम्मेदारी है कि इस अमन को क़ानूनी रूप से स्थापित किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट में 22 जनवरी को अहम सुनवाई

हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' के वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा बसंत पंचमी पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक निर्बाध पूजा अर्चना की अनुमति हेतु दी गई याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्वीकार कर लिया है। अदालत इस मामले में 22 जनवरी गुरुवार को अगली सुनवाई करेगी। इस सुनवाई पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि इसी से तय होगा कि बसंत पंचमी के दिन भोजशाला में पूजा की व्यवस्था क्या रहेगी।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इधर, भोजशाला और बसंत पंचमी और इसी दिन शुक्रवार होने से पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख?ता इंतजाम किए है, धार जिले में 8 हजार पुलिस जवानों का बल तैनात किया गया है, साथ ही सीआरपीएफ के साथ आरएएफ, आरपीटीसी और पीटीएस फोर्स की भी तैनाती की गई है, पुलिस की सीसीटीवी कैमरों से पूरे शहर पर पैनी नजर है।

खाकी को चुनौती : वन मंडल अधिकारी के बंगले से बुलेट ले उड़े चोर, वीआईपी इलाकों में भी की वरदाते

धार में बाइक चोरों का का आतंक : 15 दिन में 20 पार, पुलिस के हाथ खाली!

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में इन दिनों बाइक चोरी की वारदातें दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। जिसने न केवल आम जनता की नींद उड़ा दी है, बल्कि पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। पिछले महज 15 दिनों के भीतर शहर के अलग-अलग इलाकों से 20 से अधिक मोटरसाइकिलें चोरी हो चुकी हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि पुलिस के पास अब तक इन वारदातों का कोई सुराग नहीं है।

अधिकारियों के बंगले पर भी सुरक्षित नहीं वाहन

चोरों के हौसले कितने बुलंद हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने वन मंडल अधिकारी तक को नहीं बख्शा। चोर उनके सुरक्षित बंगले के भीतर से रॉयल इनफील्ड बुलेट एमपी 48 जेडबी 1519 उठाकर ले गए। जब जिले के बड़े अधिकारियों के परिसर सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है।

ये क्षेत्र बने हॉटस्पॉट: शहर के सुंदरवन कॉलोनी, कुम्हार गड्डा, अनाज मंडी, जिला चिकित्सालय, दीनदयाल पुरम और पिंजारवाड़ी जैसे इलाकों में चोरों का आतंक है। चोरों ने न केवल रात के अंधेरे में बल्कि दिन-दहाड़े भी वारदातों को अंजाम दिया है। स्थिति यह है कि कई लोग तो कानूनी पेचीदगियों के डर से थाने तक भी नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे चोरी का वास्तविक आंकड़ा और भी भयावह हो सकता है।

बीते 2 महीनों की वारदातें

शहर के विभिन्न थानों में दर्ज कुछ प्रमुख चोरी की घटनाओं पर नजर डालें तो स्थिति की गंभीरता समझ आती है। सुंदरवन कॉलोनी से ऋषभसिंह सिसोदिया की एक्टिवा और उनके पड़ोसी की शाइन एक ही रात में पार हो गई। इसी कॉलोनी से राजेश गुर्जर की बाइक भी चोरी हुई।

अनाज मंडी गेट से दिनेश पिता माधुसिंह की एचएफ डिलक्स पर चोरों ने हाथ साफ किया। कुम्हारगड्डा से ऋषभ वर्मा की बाइक रात के अंधेरे में गायब कर दी गई। जवाहरलाल मार्ग, सुभाष मार्ग, और 34वीं बटालियन के सरकारी क्वार्टर के सामने से भी गाड़ियां चोरी हुई हैं। चोरों ने टीवीएस जुपीटर, यामाहा आर15 और स्पलेंडर जैसे हर सेगमेंट के वाहनों को निशाना बनाया है।

पुलिस की चुप्पी से बढ़ रहे चोरों के हौसले

सीसीटीवी कैमरों के जाल के बावजूद चोर पुलिस की पकड़ से दूर हैं। सुंदरवन और वीआईपी इलाकों में लगातार हो रही चोरियां यह दर्शाती हैं कि चोरों के मन से पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है।

संकल्प महाविद्यालय, अनूपपुर में खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

अनूपपुर। संकल्प महाविद्यालय, अनूपपुर में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत सफल, सुव्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, खेल भावना एवं अनुशासन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

प्रथम दिवस का आयोजन: खेल प्रतियोगिता के प्रथम दिवस का आयोजन मुख्य अतिथि अनूपपुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जगन्नाथ मरकाम की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक लाभों से अवगत कराते हुए अनुशासन, निरंतर अभ्यास एवं आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर महाविद्यालय संचालक ने भी भावपूर्ण संबोधन में कहा कि खेल विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं सकारात्मक सोच का विकास करते हैं तथा जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं।

प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा कबड्डी, रस्साकशी, ऊँची कूद, पोटैटो रेस एवं दौड़ जैसी अनेक रोमांचक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। आयोजन के दौरान समस्त स्टाफ की सक्रिय उपस्थिति रही तथा खिलाड़ियों के लिए आवश्यक खेल सामग्री एवं प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था की गई।

द्वितीय दिवस का आयोजन एवं समापन

खेल प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस में भी विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। इस दिन खो-खो, चेयर रेस, शतरंज (चेस) सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने पूरे जोश, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भाग लिया। दोनों दिनों तक चले इस खेल आयोजन ने महाविद्यालय परिसर को ऊर्जा, उमंग एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा से भर दिया और प्रतियोगिता का सफल एवं गरिमामय समापन हुआ।

यह खेल प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रही, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सहयोग एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को सुदृढ़ करने वाला एक प्रेरणादायी एवं स्मरणीय अनुभव भी सिद्ध हुई।

-संकल्प महाविद्यालय, अनूपपुर

कटनी में अवैध शराब की बिक्री को लेकर महिलाओं में गुस्सा

कटनी। कटनी में अवैध शराब की बिक्री को लेकर जिले भर की ग्रामीण महिलाओं ने नाराजगी जाहिर की है। बता दें, समाजवादी पार्टी के अगुआई में चारों विधानसभा क्षेत्रों की महिलाएं बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचीं और मुख्य दरवाजे पर ही धरने पर बैठ गईं।

प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने जिला प्रशासन और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाओं का आरोप है कि जिले के ज्यादातर गांवों में अवैध शराब का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है। दबंगों की शह पर चल रहे इस अवैध कारोबार की वजह से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक हालत बिगड़ रही है और सामाजिक माहौल खराब हो रहा है। इससे

स्थानीय लोगों में जमकर आक्रोश पनप रहा है।

मेट्रो एंकर दूसरे सेमीफाइनल में नागपुर ने दिल्ली को दी मात, एकतरफा मुकाबले में आठ विकटों की जीत के साथ फाइनल में

पहले सेमीफाइनल में बिलासपुर ने शहडोल को किया पराजित

शहडोल /बुढार । दोपहर मेट्रो

नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल नागपुर और लालबहादुर शास्त्री क्रिकेट अकादमी दिल्ली के बीच खेला गया, एक तरफा हुए इस मुकाबले में नागपुर की टीम ने दिल्ली की टीम को मात दे कर प्रतियोगिता के फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

टॉस के दौरान ये रहे उपस्थित: आज के मैच में टॉस के दौरान अतिथियों के तौर पर नगर निरीक्षक अमलाई जयप्रकाश शर्मा, विद्युत विभाग के अभियंता विकास गुप्ता , दौलत मनवानी, प्रकाश कृष्णानी,जयदीप पाल दीपक मांझी रहे जिन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं टॉस की औपचारिकताएं पूरी की।

टॉस जीतकर नागपुर ने चुनी गेंदबाजी: मैच का टॉस नागपुर ने जीता और पिच का मिजाज भांपते हुए नागपुर के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया , नागपुर का यह फैसला तब प्रभावी दिखा जब शुरुआती ओवरों में ही नागपुर के गेंदबाजों ने शुरुआती ओवरों से ही दिल्ली के विकेट चटकाने शुरू कर दिए और यह सिलसिला पूरी दिल्ली की पारी के दौरान जारी रहा नतीजन दिल्ली की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 19.2 ओवरों में 111 रनों पर सिमट गई ,दिल्ली की ओर से केवल सुमित चिकारा और कामरान अली ही कुछ समय के लिए विकेट पर टिक सके , चिकारा ने अपनी टीम के लिए 27 और कामरान अली ने 21 रन बनाए , नागपुर की ओर से किफायती गेंदबाजी करते हुए कुणाल नागर और प्रभकीरत सिंह ने 2-2 विकेट लिए।

ये रहे टीमों के प्रायोजक: टूर्नामेंट में आज नागपुर टीम के प्रायोजक दीपक मांझी और पवन चीनी रहे जबकि दिल्ली टीम के प्रायोजक अशोक चतुर्वेदी और जितेंद्र सिंह जित्तू रहे। मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और राकेश त्रिपाठी ने की , जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद , अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला । पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला।

नागपुर की विस्फोटक शुरुआत , बारहवें ओवर में लक्ष्य को किया हासिल

112 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नागपुर की टीम के प्रारंभिक बल्लेबाजों ने अपनी टीम के लिए शानदार शुरुआत करते हुए अपनी टीम को बेहतरीन शुरुआत दी , प्रारंभिक ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने पावर प्ले का जमकर फायदा उठाया , दोनों सलामी बल्लेबाजों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य को बारहवें ओवर में हासिल कर लिया , प्रारंभिक बल्लेबाज राठी ने 40 और आकिब खान ने 34 रन बनाए , सलामी बल्लेबाजों के इस शानदार बल्लेबाजी के दम पर नागपुर की टीम ने यह मैच 8 विकटों से जीत कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। नागपुर टीम की ओर से शानदार बल्लेबाजी करने वाले राठी और आकिब खान को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हे ग्राम ख़ैरहा के उपसरपंच अख्तर रजा और इरशाद अहमद ने पुरस्कृत किया।

ये हैं आयोजन समिति के सदस्य

इस पूरे आयोजन समिति के प्रमुख बुढार के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विशनानी तथा सदस्यों के रूप में अनिल सोनी , श्रीनिवास द्विवेदी, पवन नियर्सेस, अवधेश पांडे (पिंटू) , राजीव त्रिपाठी , राकेश त्रिपाठी , महेंद्र त्रिपाठी , योगेंद्र सिंह, पुष्पराज सिंह जुगुल मिश्रा इत्यादि प्रमुख हैं ।

टी20 सीरीज शुरू होने से पहले न्यूजीलैंड के लिए बुरी खबर, चोटिल हुए ऑलराउंडर ब्रेसवेल

नई दिल्ली। वनडे सीरीज के बाद भारत और न्यूजीलैंड की टीमें अब टी20 सीरीज में टकराने वाली है। पहला मुकाबला आज नागपुर के विदर्भ क्रिकेट ऐसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले कीवी टीम के लिए एक बुरी खबर आई है। वनडे में भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाले ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल चोटिल हो गए हैं और वह टी20 सीरीज खेलने के लिए संदिग्ध हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड ने शुरुआती तीन मैच के लिए क्रिस्टियन क्लार्क को रोका है।

दरअसल, इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेले गए भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान माइकल ब्रेसवेल को लेफ्ट काफ में स्ट्रेन आया था। इसके चलते अब वह टी20 सीरीज के लिए संदिग्ध हैं। हालांकि, न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने पुष्टि की है कि वह टीम के साथ ट्रेवल करेंगे। कीवी टीम अपने अनुभवी ऑलराउंडर को टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द फिट करने को देखेगी। 34 साल के माइकल ब्रेसवेल ने 2022 में न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू किया था। उसके बाद से अब तक ब्रेसवेल ने कीवी टीम के लिए 10 टेस्ट, 43 वनडे और 47 टी20 मुकाबले खेले हैं। ब्रेसवेल ने टेस्ट में 1 फिफ्टी के चलते 339 रन बनाए हैं। वनडे में 2 शतक और 3 फिफ्टी के बूते 956 रन ठोके हैं।

एक ही दिन में क्रिकेट के मैदान में दो बार भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान?

15 फरवरी को लगेगा एंटरटेनमेंट का तड़का

दुबई, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान की टीम किसी भी खेल में जब आमने-सामने आती हैं, तो रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोलता है। ऐसे में फैंस के लिए खुशखबरी है। अगले महीने यानी फरवरी में फैंस को भारत-पाकिस्तान मैच का डबल डोज मिल सकता है। अब आप सोच रहे होंगे कि एक दिन में भारत-पाकिस्तान के दो-दो मैच कैसे संभव हैं? तो इसका जवाब है- 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान की टीमें क्रिकेट के मैदान पर दो बार आमने-सामने होंगी। ये दो मुकाबले टी20 विश्व कप और राइजिंग स्टार महिला एशिया कप में खेले जाएंगे। पुरुषों के टी20 विश्व कप का आगाज सात फरवरी को होने जा रहा है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाला यह टूर्नामेंट 20 टीमों के बीच खेला जाएगा, जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। यह इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण होगा। इनमें सेमीफाइनल और फाइनल समेत कुल 55 मुकाबले खेले जाएंगे। भारत और पाकिस्तान की टीम इस टूर्नामेंट में 15 फरवरी को भिड़ेंगी। यह मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा।

फैंस को डबल डोज मिलना तय

ऐसे में फैंस को 15 फरवरी को एंटरटेनमेंट का डबल डोज मिलना तय है। राइजिंग स्टार्स महिला एशिया कप टी20 में आठ टीमें शिरकत करेंगी। इन्हें दो ग्रुप्स में बांटा गया है। भारत-ए और पाकिस्तान-ए की टीमों को एक ही ग्रुप यानी ग्रुप-ए में रखा गया है। इसके अलावा ग्रुप-ए में यूएई और नेपाल की टीमें शामिल हैं। वहीं, ग्रुप-बी में बांग्लादेश-ए, श्रीलंका-ए, मलयेशिया और मेजबान

शाम को होगा दूसरा मुकाबला

वहीं, दूसरा मुकाबला राइजिंग स्टार्स महिला एशिया कप में खेला जाएगा। पुरुषों का राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट पहले से होता रहा है, लेकिन महिलाओं का संस्करण पहली बार शुरू होगा। इसके शेड्यूल का एलान हो गया है। राइजिंग स्टार्स महिला एशिया कप फरवरी में ही टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। पुरुषों में इंडिया-ए की टीम हिस्सा लेती है और ऐसा ही महिलाओं में भी होगा। इसमें कुछ स्टार महिला खिलाड़ी खेलती हुई दिख सकती हैं। राइजिंग स्टार्स महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट भारत-ए और पाकिस्तान-ए की महिला टीम भी 15 फरवरी को आमने-सामने आएंगी। यह मैच टी20 विश्व कप (पुरुष) में भारत-पाकिस्तान मुकाबले से पहले खेला जाएगा। टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 15 फरवरी को शाम सात बजे शुरू होगा, वहीं राइजिंग स्टार्स महिला एशिया कप टी20 में भारत-ए और पाकिस्तान-ए की बीच मुकाबला भारतीय समयानुसार 15 फरवरी को दोपहर साढ़े 12 बजे से खेला जाएगा।

लिटन दास को बांग्लादेश बोर्ड से खतरा?

भारत में टी20 विश्व कप खेलने पर बोले- मेरे लिए जवाब देना सुरक्षित नहीं

ढाका। टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी पर लगातार बढ़ते विवाद के बीच टी20 टीम के कप्तान लिटन दास का हालिया बयान आग में घी का काम कर गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच वेन्यू और सुरक्षा विवाद ने हालात को इतना उलझा दिया है कि टूर्नामेंट शुरू होने में कुछ दिन बाकी हैं, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि बांग्लादेश भारत जाकर खेलेगा या नहीं। बांग्लादेश बोर्ड ने आईसीसी से मांग की है कि टीम के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका शिफ्ट किए जाएं। बोर्ड ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। आईसीसी की तरफ से हालांकि इस मांग पर अभी तक सहमति नहीं मिली है और कई दौर की बैठकों के बाद भी निष्कर्ष नहीं निकला। इस गतिरोध ने पूरे बांग्लादेश को असमंजस में डाल दिया है। खिलाड़ियों से लेकर प्रशंसकों तक सभी को इंतजार है अंतिम फैसले का। मंगलवार को बांग्लादेश प्रीमियर लीग के मैच के बाद जब लिटन दास से पूछा गया कि क्या टूर्नामेंट की पिचें विश्व कप की तैयारी में मददगार हैं, तो कप्तान ने सवाल को समझते हुए स्पष्ट किया कि इस समय वह इस विषय पर बोलने की स्थिति में नहीं हैं। लिटन दास ने कहा, क्या आप दावे के साथ कह रहे हैं कि हम वर्ल्ड कप खेलने जा रहे हैं? मेरी तरफ से मैं अनिश्चित हूं, सब अनिश्चित हैं। मुझे लगता है इस समय पूरा बांग्लादेश अनिश्चित है। कोई जवाब नहीं दूंगा। मैं समझ रहा हूं आप क्या पूछने वाले हैं। यह जवाब देना मेरे लिए सुरक्षित नहीं है।

टी-20 सीरीज का आगाज आज से, फार्म को लेकर सूर्या बोले-

अगर रन नहीं बना पाए तो ड्रॉइंग बोर्ड पर लौटकर तैयारियों का करूंगा आकलन

नागपुर, एजेंसी

भारत-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के शुरुआत आज से हो रही है। सीरीज का पहला मुकाबला नागपुर में होना है। इस मुकाबले से ठीक एक दिन पहले बुधवार को भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी बल्लेबाजी फॉर्म को लेकर बड़ा और ईमानदार बयान दिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले सूर्या ने कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी भी सही दिशा में जा रही है, लेकिन अगर रन नहीं आए तो वह फिर से ड्रॉइंग बोर्ड पर लौटकर अपनी तैयारियों का आकलन करेंगे। कुल मिलाकर सूर्यकुमार यादव का कहना था कि वह शुरुआत से योजना बनाएंगे और नई प्लानिंग करेंगे। आसान भाषा से समझें तो सूर्या का कहना था कि फिर से मूल बातों पर लौटेंगे। पिछले कुछ समय से सूर्यकुमार यादव का बल्ला इंटरनेशनल क्रिकेट में उम्मीद के मुताबिक नहीं चला है, लेकिन इसके बावजूद टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा बनाए रखा है।

भारत-न्यूजीलैड टी20 सीरीज भारत के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह आगामी बड़े टूर्नामेंट से पहले एक अहम तैयारी का मौका है। ऐसे में सूर्या का फॉर्म में लौटना टीम इंडिया के लिए बहुत जरूरी होगा। सूर्यकुमार ने यह भी साफ किया कि वह खुद को लगातार चुनौती देते रहते हैं और जरूरत पड़ने पर अपनी तकनीक और अप्रोच में बदलाव करने से नहीं हिचकते। उनका फोकस सिर्फ रन बनाने पर नहीं, बल्कि टीम की जीत में योगदान देने पर है। टीम इंडिया के फैन्स को उम्मीद होगी कि न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में सूर्या अपने पुराने आक्रामक अंदाज में नजर आएंगे और बड़े स्कोर बनाकर आलोचकों को जवाब देंगे।

सूर्या ने साल 2025 में किया फैन्स को निराश

सूर्या का 2025 में खेले गए टी20 मुकाबलों में प्रदर्शन शानदार नहीं रहा है। उन्होंने 21 मैचों की 19 पारियों में 218 रन 13.62 के एवरेज 123.16 से बनाए। सूर्या न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में जोरदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। सूर्यकुमार के नेतृत्व में भारत का 2024 में जीत प्रतिशत 72 फीसदी से ज्यादा रहा है। पर टीम की इस सफलता ने काफी समय तक सूर्या के खराब बल्लेबाजी फॉर्म को ढक दिया था, पर अब सूर्या अब वर्ल्ड कप से पहले खुद को साबि?त करना चाहेंगे।

फिटनेस पर उठ रहे सवाल

बीते साल 13 के एवरेज से बनाए रन, कोई फिफ्टी नहीं

कप्तान सूर्या का साल 2025 में खेले गए टी20 मुकाबलों में प्रदर्शन शानदार नहीं रहा है। उन्होंने 21 मुकाबलों की 19 पारियों में 218 रन 13.62 के मामूली एवरेज 123.16 से बनाए, जो कहीं से भी सूर्या के कैलिबर को बयां नहीं करता है। उन्होंने तिलक वर्मा को नंबर-3 पर लंबा मौका देने के लिए खुद को नंबर-4 पर भेजा, लेकिन गेंदबाजों ने अब उनकी कमजोरी पकड़ ली है। हार्ड लेंथ पर सीधी गेंदें उन्हें रोक रही हैं और उनकी कलाई की फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं।कप्तान का खराब प्रदर्शन ड्रेसिंग रूम में सम्मान को धीरे-धीरे कम करता है, और वर्ल्ड कप से पहले सूर्याकुमार यह स्थिति किसी भी हाल में नहीं चाहेंगे।

सूर्या न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में अपने आक्रामक बल्लेबाज वाले अंदाज़ को फिर से सामने लाकर कप्तानी को मजबूती देना चाहेंगे। यह सीरीज तीन हफ्ते बाद होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत की आखिरी बड़ी रिहर्सल मानी जा रही है।

2024 में कप्तानी संभालने के बाद से सूर्यकुमार के नेतृत्व में भारत का जीत प्रतिशत 72 फीसदी से ज्यादा रहा है। हालांकि, टीम की इस शानदार सफलता ने काफी समय तक सूर्या की खराब बल्लेबाजी फॉर्म को ढक कर रखा, लेकिन अब यह मुद्दा खुलकर सामने आ चुका है।

भारतीय एथलीट्स के साथ दुर्व्यवहार, ट्रेन से जबरन उतारा गया

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष पोल वॉल्टर्स, राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी देव मीना और विश्वविद्यालय चैंपियन कुलदीप यादव सोमवार को एक ट्रेन से जबरन उतार दिए गए, जिसके बाद उन्हें पनवेल स्टेशन पर लगभग चार से पांच घंटे तक फंसा रहना पड़ा। यह घटना बंगलूरू में आयोजित ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स चैंपियनशिप से लौटते समय हुई, जहां वे भोपाल के लिए सफर कर रहे थे। ट्रेन में तैनात टीटीई ने उनके पोल वॉल्ट पोल्स को अनधिकृत सामान बताते हुए आपत्ति जताई। यह पोल्स अत्यधिक महंगे, लगभग दो लाख रुपये प्रति पीस, पांच मीटर लंबे और खिलाड़ी के प्रदर्शन के लिए जरूरी होते हैं।

देव मीना की नाराजगी और भावनात्मक बयान

टीटीई को समझाने की कोशिश, अधिकारियों से बात करने की मांग और तत्काल जुर्माना चुकाने की पेशकश, लेकिन सबको खारिज कर दिया गया। आक्रोशित देव मीना ने वीडियो में कहा, हम यहां चार से पांच घंटे से बैठे हैं। अगर हमारे साथ ऐसा हो रहा है, तो हमारे जूनियर्स के साथ क्या होगा? अगर एक इंटरनेशनल लेवल के एथलीट के साथ ऐसा भारत में हो सकता है, तो मैं क्या कहूं? पोल वॉल्ट में उपयोग होने वाले पोल्स न तो किराये पर मिलते हैं और न ही आसानी से बदले जा सकते हैं। एक खिलाड़ी इन्हें अपने वजन, तकनीक और ऊंचाई के हिसाब से चुनता है, इसलिए यात्रा में इन्हें साथ ले जाना अनिवार्य होता है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रुकने का नाम नहीं ले रही ऋषभ पंत की शादीशुदा बहन, अदाएं देख लट्टू हुए लोग

ऋषभ पंत की बहन साक्षी पंत की जब से शादी हुई है वो लाइमलाइट में बनी हुई हैं। भाई मैदान में दम दिखाता है, तो बहन मैदान के बाहर ग्लैमर का तड़का लगाती हैं। साक्षी की बेशक शादी हो गई है, लेकिन वो फिर भी छोटे-छोटे शॉर्ट्स और स्कर्ट पहनकर कुंवारी लड़की वाली अदाएं दिखाती हैं। ऋषभ की बहन लेटेस्ट फोटोज में भी गहरे गले वाली ड्रेस पहनी नजर आईं। साक्षी की यह फोटोज बाली की हैं, जहां वो इन दिनों वेकेशन मना रही हैं। बाली के फेमस स्पॉट पर वो ड्रेस पहनकर झूले पर बैठी हुई किसी परी जैसी दिख रही हैं।

ड्रेस वाले स्टाइल के बाद भी साक्षी का कातिलाना रूप दिखाने वाला

सिलसिला रूका नहीं। फिर उन्होंने पिंक स्कर्ट के साथ मैचिंग टॉप पहनकर भी दिखाया कि वो स्टाइल डीवा हैं। साक्षी की इन तस्वीरों को देखकर आपको भी ऐसा लगेगा जैसे वो कोई प्रिंसेस हैं।

साक्षी फिल्मी और फैशन की दुनिया से तो नहीं हैं। लेकिन किस मौके पर क्या पहनना है ये बात उनको अच्छे से पता है। तभी उन्होंने इस फोटो में चिकने कपड़े वाली ड्रेस पहनी है। चिकने कपड़े से मतलब साटन से है, जिस फैब्रिक से साक्षी की ड्रेस बनी है। साक्षी की ड्रेस एकदम प्लेन होने के बाद भी चमचमाती और अट्रैक्टिव इसलिए ही दिख रही है क्योंकि आउटफिट का साटन वाला फैब्रिक है। साथ में हरे-भरे नजारे भी उनके लुक को एकदम परफेक्ट बना रहे हैं। साक्षी ने स्टाइल दिखाते-दिखाते ये भी दिखा दिया कि ब्यूटी विद ब्रेन का परफेक्ट एग्जामल हैं। क्योंकि ड्रेस का कलर उन्होंने बहुत समझदारी से चुना है। येलो स्टाइलिश ड्रेस साक्षी की फेयर स्किन टोन को एन्हांस करती दिख रही है। साथ में ब्लैक, ब्लू, ब्राउन जैसे रंगों से कुछ हटकर भी लुक दिख रहा है।

स्लीवलेस डिजाइन से हाइलाइट की लुक की ब्यूटी

साक्षी का आउटफिट तो प्लेन है, लेकिन इसका स्लीवलेस डिजाइन एकदम परफेक्ट दिखा। इससे उनके शोल्डर के साथ कॉलर बोन भी हाइलाइट होती दिखी। साथ में ड्रेस की गहरी नेकलाइन भी लुक में ग्लैम ऐड करने का काम करती दिखी। इसके अलावा वेस्ट को हाइलाइट करने के लिए रैप डिजाइन दिया गया है। तभी साक्षी का फिगर भी फ्लेक्स होता दिख रहा है।

शादी के बाद आमिर की हिरोइन ने छोड़ दी थी इंडस्ट्री, अब जी रहीं लैविश लाइफ

आमिर खान की फिल्म गजनी से रातोरात फेमस हुईं असिन अब शोबिज से दूर परिवार संग जिंदगी गुजार रही हैं। असिन ने करियर के पीक पर साल 2016 में बिजनेसमैन राहुल शर्मा संग शादी करके घर बसा लिया था। अब 10वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर एक्ट्रेस के पति ने उन्हें खास अंदाज में विश किया है।

असिन और राहुल की शादी को 10 साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर एक्ट्रेस के बिजनेसमैन पति राहुल ने लेडी लव पर प्यार लुटाया है। राहुल ने पत्नी असिन की 2 थ्रोबैक फोटो शेयर की हैं। एक फोटो उनकी शादी की है, जिसमें असिन व्हाइट वेडिंग गाउन में दिखाई दे रही हैं, जबकि दूसरी फोटो उनकी डेट की है। तस्वीरें शेयर करते हुए राहुल ने पत्नी के लिए कैप्शन में लिखा- 10 शानदार साल... वो मेरी जिंदगी की हर अहम चीज की एक बेहतरीन को-फाउंडर हैं और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे उनकी लाइफ की फिल्म में एक को-एक्टर का रोल मिला है। हमारी 10वीं सालगिरह मुबारक हो, माई लव। उम्मीद करता हूं कि आप हमारे घर और मेरे दिल को एक तेजी से बढ़ते स्टार्टअप की तरह चलाती रहोगी और मैं हर दिन आपके जीवन के सेट पर अपनी भूमिका निभाता रहूंगा। हमारे शानदार भविष्य की कामना करता हूं। असिन के लिए उनके पति की प्यार भरी पोस्ट फैंस का दिल जीत रही है।

मेट्रो बाजार

आम बजट के दिए एक फरवरी को देश के सबसे नए एक्सचेंज एमएसई में भी होगा कारोबार

मुंबई । देश के सबसे नए स्टॉक एक्सचेंज मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज (एमएसई) में भी आम बजट के दिन एक फरवरी को कारोबार होगा। यह जानकारी एक्सचेंज की ओर से दी गई। एक फरवरी 2025 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से आम बजट 2026-27 संसद में पेश किया जाएगा। एमएसई की ओर से जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया, ÷आम बजट पेश होने के कारण एक फरवरी को मानक समय के अनुसार लाइव ट्रेडिंग सत्र का आयोजन किया जाएगा। एक अन्य सर्कुलर में एमएसई ने कहा कि एक फरवरी को इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में भी ट्रेडिंग होगी। एमएसई से पहले बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) भी बजट के दिन स्पेशल ट्रेडिंग सत्र आयोजित करने की घोषणा कर चुके हैं। बीएसई और एनएसई की तरह एमएसई में सुबह 9 बजे से लेकर सुबह 9:08 तक का प्री ओपनिंग सत्र होगा, जबकि सामान्य ट्रेडिंग सुबह 9:15 बजे से लेकर शाम 3:30 बजे तक होगी। इससे पहले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की ओर से जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया, ÷केंद्रीय बजट के चलते, सदस्यों से अनुरोध है कि वे ध्यान दें कि एक्सचेंज 1 फरवरी, 2026 को मानक बाजार समय (सुबह 9÷15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक) के अनुसार लाइव ट्रेडिंग सत्र आयोजित करेगा।

दिसंबर तिमाही में कई बड़ी कंपनियों के नतीजे रहे कमजोर, आगे सुधार की उम्मीद

मुंबई । चालू वित्त वर्ष 2026 की दिसंबर तिमाही के शुरुआती नतीजों में भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र की बड़ी कंपनियों (इंडिया इंक) का प्रदर्शन कुछ कमजोर नजर आया है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक, नए श्रम कानूनों से जुड़े एकमुश्त शुल्कों (वन-टाइम चार्जेज) और दूसरे बदलावों की वजह से कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ा है।

अब तक निफ्टी50 की करीब 10 कंपनियों ने अपने नतीजे घोषित किए हैं, जिनमें ज्यादातर आईटी कंपनियां और कुछ बैंक शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि नतीजों में कोई बड़ा सरप्राइज देखने को नहीं मिला। अधिकतर कंपनियों के नतीजे मिले-जुले रहे या उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे।

कंपनियों की कमाई पर सबसे बड़ा असर नए श्रम कानून के लागू होने से पड़ा है। यह कानून नवंबर से लागू हुआ है, जिसमें वेतन, काम की जगह की सुरक्षा और सोशल सिक्योरिटी से जुड़े कई बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों को लागू करने में कंपनियों को अतिरिक्त खर्च करना पड़ा। टीसीएस, इंफोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी बड़ी आईटी कंपनियों को नए नियमों के चलते नियमों के कार्यान्वयन से संबंधित एकमुश्त शुल्क के रूप में 4,373 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा, जिसके चलते इन कंपनियों के मुनाफे में इस तिमाही में अच्छी-खासी गिरावट देखने को मिली। हालांकि, थोड़े समय के लिए मुनाफे पर दबाव जरूर है, लेकिन आईटी कंपनियों के लिए मांग के हालात बेहतर होते दिख रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ प्रयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कंपनियों के कामकाज में सीधे इस्तेमाल होने लगा है, जिससे नए प्रोजेक्ट और भर्ती के मौके बढ़ रहे हैं।

पहाड़ों पर दोहरी आफत
भारी बारिश और बर्फबारी

सोनमर्ग में बर्फबारी के बाद पहुंचे सैलानी मौसम का आनंद लेते हुए। अगले दो दिनों में कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है।

सितमगर सर्दी: उत्तराखंड में चीन बॉर्डर के पास नदियां जमीं

» राजस्थान में कोहरे से 4 गाड़ियां टकराईं, ट्रेनें लेट

» दिल्ली समेत कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली/जयपुर/देहरादून, एजेंसी

उत्तरकाशी में चीन सीमा से लगी नेलांग घाटी में नदियां जम गईं। आदि कैलाश (पिथौरागढ़) और केदारनाथ धाम में तापमान -21 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

विजिबिलिटी बेहद कम

इधर राजस्थान के सीकर जिले में सुबह धुंध के कारण चार बस-ट्रक की भिड़ंत हो गई। इसके बाद और गाड़ियां बस से टकरा गईं। जिसमें 10 लोग घायल हो गए। उधर, वहीं बिहार के अररिया, पूर्णिया सहित 5 जिलों में कोहरा रहा। सुबह विजिबिलिटी कम होने से 5 ट्रेनें लेट चल रही हैं। औरंगाबाद समेत कई शहरों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। यूपी सहित देश के 6 राज्यों में दो दिन बाद बारिश की संभावना है। राजस्थान में ओले भी गिर सकते हैं।

एमपी में ग्वालियर समेत 10 जिलों में बारिश का अलर्ट

मध्यप्रदेश में 23 और 24 जनवरी को बारिश का अलर्ट है। ऐसा स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से होगा। ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में असर रहेगा। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। सुबह भी कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे का असर देखा जा रहा है।

न्यूज विंडो

72 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाली इंजीनियर की कार

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर के हाईटेक शहर नोएडा से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। सेक्टर-96 के पास एक निर्माणाधीन सड़क पर बने गहरे गड्ढे में गिरी एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार को करीब 72 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया है। इस हादसे में कार सवार इंजीनियर की जान पहले ही जा चुकी थी। बताया जा रहा है कि यह हादसा कोहरे या अंधेरे के कारण हुआ, जहाँ निर्माणाधीन स्थल पर पर्याप्त बैरिकेडिंग या चेतावनी बोर्ड न होने की वजह से कार सीधे गहरे गड्ढे में समा गई। कई दिनों तक कार का पता नहीं चल सका, लेकिन जब जांच शुरू हुई तो गड्ढे के अंदर से गाड़ी का कुछ हिस्सा दिखाई दिया। पुलिस और रेस्क्यू टीम ने क्रेन और मशीनों की मदद से करीब तीन दिनों बाद कार को कीचड़ और मलबे से भरे उस गड्ढे से बाहर निकाला। कार की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि हादसा कितना भीषण था। स्थानीय निवासियों ने नोएडा प्राधिकरण और संबंधित ठेकेदार पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं।

जापान: पीएम शिंजो आबे की हत्या करने वाले को हुई उम्रकैद की सजा

टोक्यो। पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने वाले शख्स को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। गौरतलब है कि शिंजो आबे के ऊपर चुनाव प्रचार के दौरान जानलेवा हमला हुआ था।दरअसल शिंजो पर हमला करने वाले शख्स ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। इसके बाद जापानी अदालत ने इस अपराधी को उम्रकैद की सजा सुनाई। अपराधी की पहचान 45 साल के तेत्सुया यामागामी के रूप में हुई थी। यामागामी ने पहले जुलाई 2022 में नारा शहर में चुनाव प्रचार भाषण के दौरान आबे की हत्या करने का जुर्म कबूल किया था। न्यूज एजेंसी क्योडो ने हाल ही में पब्लिक टेलीविजन के हवाले से इस खबर के बारे में जानकारी दी है।मिली जानकारी के मुताबिक, नारा डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने फैसले की पुष्टि की और अभियोजकों के अनुरोध के अनुसार यामागामी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

भारत और पाक में मैंने सीजफायर करवाया, यह सबसे बड़ी जीत: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल को एक साल पूरा हो चुका है। पिछले साल ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। बेशक इस एक साल में ट्रंप ने कई हैरान करने वाले फैसले लिए, लेकिन जब ट्रंप से पूछा गया कि 2025 का सबसे बड़ा इवेंट क्या था? तो उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का राग अलापना शुरू कर दिया।ट्रंप का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव इतना बढ़ गया था कि परमाणु हमले की नौबत आ गई थी। ऐसे में दोनों देशों के बीच सीजफायर करवाना ट्रंप के 1 साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी जीत थी। ट्रंप के अनुसार, 'मैंने पिछले 10 महीनों में 8 युद्ध रुकवाए। खासकर पाकिस्तान और भारत के बीच बात काफी बिगड़ चुकी थी। उन्होंने एक-दूसरे के 8 लड़ाकू विमान मार गिराए थे। मेरे विचार से दोनों देशों के बीच परमाणु हमले की नौबत आ गई थी। 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जब यहां (वाशिंगटन) आए थे, तो उन्होंने कहा था कि ट्रंप ने 1 करोड़ या शायद उससे ज्यादा लोगों की जान बचा ली।

सुप्रीम कोर्ट बोला- समाधान के लिए मध्यस्थता का रास्ता अपनाएं

देश की अदालतें युद्ध का मैदान नहीं जो पति-पत्नी यहां आकर झगड़े सुलझाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतें कोई युद्ध का मैदान नहीं हैं कि दंपति लड़ते रहें और अपने गिले शिकवे निपटाने के लिए अदालतों का समय जाया करें। कोर्ट ने कहा कि झगड़ते रहने वाले पति-पत्नियों को अपने गिले शिकवे निपटाने के लिए अदालतों को युद्धक्षेत्र बनाकर व्यवस्था को बाधित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि उन्हें विवाद के जल्दी समाधान के लिए मध्यस्थता का रास्ता अपनाना चाहिए, क्योंकि अदालत में आरोप और प्रत्यारोप विवाद को और बढ़ाते हैं।

शादी के 10 साल साथ रहे 65 दिन

जज राजेश बिंदल और जज मनमोहन की पीठ ने एक दंपति के बीच विवाह भंग करते हुए ये टिप्पणियां कीं। दंपति केवल 65 दिनों तक साथ रहा और दोनों एक दशक से अधिक समय से अलग रह रहे थे। विवाह में सुलह की कोई गुंजाइश नहीं देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए विवाह को भंग कर दिया।

झूठे आरोप लगाना आम बात

कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवाद में जब भी पक्षों के बीच मतभेद होते हैं तो दूसरे पक्ष को सबक सिखाने की तैयारी शुरू हो जाती है। पीठ ने कहा, 'सबूत जुटाए जाते हैं और कुछ मामलों में तो गढ़े भी जाते हैं, जो युग में अधिक आम हो गया है। झूठे आरोप लगाना आम बात है। चूंकि किसी भी वैवाहिक विवाद का समाज की संरचना पर तत्काल प्रभाव पड़ता है, इसलिए सभी संबंधित पक्षों का यह कर्तव्य है कि वे पक्षों द्वारा कठोर और अड़ियल रुख अपनाने से पहले ही इसे जल्द से जल्द सुलझाने का भरसक प्रयास करें।'

अदालत को बना दिया युद्धक्षेत्र

कोर्ट ने कहा, 'झगड़ने वाले दंपतियों को अदालतों को अपना युद्धक्षेत्र बनाकर और व्यवस्था को बाधित करके अपने विवादों को निपटाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अगर दोनों के बीच सामंजस्य नहीं हो सकता है तो विवादों के शीघ्र समाधान के लिए तरीके उपलब्ध हैं।'

सुलह की गुंजाइश कम

पीठ ने कहा, 'मध्यस्थता की प्रक्रिया मुकदमे की कार्यवाही शुरू होने से पहले और बाद में भी अपनाई जा सकती है। जब पक्षकार खासकर आपराधिक मामलों में एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमा शुरू करते हैं तो सुलह की गुंजाइश कम हो जाती है, लेकिन इसे नकारा नहीं जा सकता।'

वैवाहिक मुकदमों में कई गुना वृद्धि

कोर्ट ने स्वीकारा कि बच्चे या बच्चों के जन्म के बाद समस्या अधिक होती है। कोर्ट ने कहा कि कई बार बच्चा झगड़ने वाले पक्षों के बीच विवाद का कारण बन जाता है। बदलते समय में वैवाहिक मुकदमों में कई गुना वृद्धि हुई है और इसमें शामिल सभी लोगों, जिनमें पक्षों के परिवार के सदस्य भी शामिल हैं, उनका यह कर्तव्य है कि वे किसी भी दीवानी या आपराधिक कार्यवाही शुरू होने से पहले विवादों को सुलझाने के लिए पूरी कोशिश करें।

हां, हूं मैं शंकराचार्य...

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला प्रशासन को भेजा आठ पन्नों का जवाब

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद विवाद गहराता जा रहा है। जहां इस मामले में सियासत भी शुरू हो गई है, वहीं अब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एके मिश्रा के माध्यम से प्राधिकरण को आठ पन्नों का जवाब भेजा हैं। अपने जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला प्राधिकरण के आरोपों को सिरे से नकार दिया और कहा कि वे शंकराचार्य हैं।

जवाब में कहा गया है कि ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी ने जीवनकाल में ही उन्हें उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। 11 सितंबर 2022 को शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ब्रह्मलीन हुए थे और 12 सितंबर 2022 को वैदिक विधि-विधान के साथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का विधिवत अभिषेक किया गया। सार्वजनिक समारोह में उनका शंकराचार्य पद पर प्रतिष्ठापन किया गया। यह बात सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में भी लाया गया कि अभिषेक पहले ही हो चुका था। 14 अक्टूबर 2022 के आदेश में यह तथ्य दर्ज है। इतना ही नहीं शंकराचार्य पद पर बने रहने को लेकर किसी भी न्यायालय से कोई स्थगन आदेश नहीं है। साथ ही श्रृंगेरी, द्वारका और पुरी पीठ के शंकराचार्यों का समर्थन होने का दावा भी जवाब में किया गया है।

हजारों फीट ऊंचाई पर बंकर में छिपे थे आतंकी, मैगी खाकर रच रहे थे साजिश

श्रीनगर। पिछले साल हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बल बेहद अलर्ट हैं। सुरक्षाबलों के एक सर्च ऑपरेशन में उन्हें किश्तवाड़ इलाके के ऊबड़-खाबड़ और बर्फीले पहाड़ों में आतंकवादियों का बंकर मिला है। इसमें जांच और तलाशी में पता चला है कि आतंकी 12,000 फीट की ऊंचाई पर बने कारगिल-स्टाइल मजबूत बंकर छिपे थे। वे इसमें मैगी और चावल खाकर खुद को जिंदा रख रहे थे। बंकर की जांच में पुष्टि हुई है कि इसमें महीनों तक छिपे रहे। सोमवार को सुरक्षा बलों ने बंकर की जांच के बाद उसे तहस नहस कर दिया। सुरक्षाबलों की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आतंकी इस बंकर ओवरग्राउंड वर्कर्स के सहयोग से ही रह रहे थे।

आतंकवादियों ने फेकें थे ग्रेनेड- जांच में खुलासा हुआ है कि आतंकवादियों के सर्दियों में जिंदा रहने के प्लान बना रखा था। बंकर से 50 मैगी

के पैकेट, टमाटर और आलू जैसी ताजी सब्जियां, 15 तरह के मसाले, 20 किलो बढ़िया क्वालिटी के बासमती चावल, अनाज, खाना पकाने की गैस और सूखी लकड़ी मिली है। सुरक्षाबलों का कहना है यह सामान उन्हें कई महीने तक जिदा रखने के लिए काफी था। किश्तवाड़ में स्थित इस बंकर में जब रविवार दोपहर को सुरक्षाबल पहुंचे तो उन्होंने ग्रेनेड फेंके। जिसमें सात जवान घायल हो गए, और फिर वे भाग गए। हमले में घायल हवलदार गजेंद्र सिंह की बाद में मौत हो गई।

'प्रॉक्सी जिहाद' का खेल रच रहा बांग्लादेश

गणतंत्र दिवस पर अटैक की प्लानिंग का हाल ही हुआ था खुलासा

ढाका, एजेंसी

आतंकवाद के गढ़ पाकिस्तान की इमेज तो पहले ही दुनिया के सामने खराब हो चुकी है। दुनिया जानती है कि शहबाज-मुनीर की जोड़ी जनता का खून चूस कर आतंकवादियों की फंडिंग करती है। अब इस देश ने अपने काले कारनामों का ठिकाना बांग्लादेश को बना डाला है। यूनुस के राज में बांग्लादेश पूरी तरह से तबाह हो चुका है। इस देश की पहचान अब पाकिस्तान के सीक्रेट मिशन के गेटवे की तरह होने लगी है, ये मिशन भारत के खिलाफ रचे जा रहे हैं। इस्लामाबाद से सारे डर्टी वर्क अब बांग्लादेश री-डायरेक्ट कर दिए गए हैं।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूनुस, बांग्लादेश को पाकिस्तान प्रायोजिक आतंकवाद के लॉजिस्टिक और वैचारिक आधार के रूप में इस्तेमाल होने की अनुमति दे चुके हैं। अब उनकी इस करतूत के बाद ढाका, भारत के खिलाफ पाकिस्तान के आतंकवादी मिशन में भागीदार बन चुका है।बांग्लादेश की प्रमुख साप्ताहिक पत्रिका 'ब्लिट्ज' में

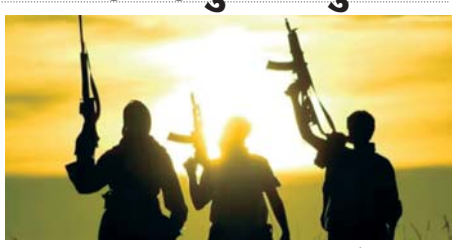

प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, खतरे के संकेत साफ हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) एक बार फिर धर्म को हथियार बनाकर, सीमाओं का दुरुपयोग कर और प्रॉक्सी समूहों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रही है। भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के आसपास समयबद्ध इस साजिश के तहत, आईएसआई पश्चिम बंगाल से लेकर बांग्लादेश तक और पश्चिमी देशों में स्थित भारतीय दूतावासों तक फैली आतंक, तोड़फोड़ और वैचारिक युद्ध की बहुस्तरीय मुहिम चला रही है'।

मेट्रो एंकर नई ऊंचाई पर भारत-यूएई की दोस्ती, राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद की यात्रा से मिले कई मजबूत आर्थिक आयाम

व्यापार होगा दोगुना, खाड़ी और अफ्रीका में खुलेंगे भारत मार्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद की नई दिल्ली की तीन घंटे की यात्रा एक रणनीतिक रक्षा समझौते पर केंद्रित थी। साथ ही यूरेशिया और अफ्रीका में तीसरे देशों में विस्तार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ एक मजबूत आर्थिक आयाम भी थी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने द्विपक्षीय व्यापार को 2032 तक दोगुना कर 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

यात्रा के बाद जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरेशिया क्षेत्र में MSME उत्पादों को बढ़ावा देने

भारत और यूएई MSME के लिए करेंगे काम

द इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार, बैठक के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और बिन जायद ने अपनी-अपनी टीमों को दोनों पक्षों के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को जोड़ने की दिशा में काम करने का निर्देश दिया, जो नई दिल्ली और अबू धाबी के बीच इस तरह की पहली पहल होगी।यहां यह बताया जा सकता है कि यूएई ने पिछले कुछ वर्षों में अपने आर्थिक जुड़ाव के हिस्से के रूप में तटीय अफ्रीकी राज्यों के साथ बंदरगाहों पर काम करने के अलावा पूरे अफ्रीका में अपनी व्यावसायिक मौजूदगी बढ़ाई है। इसके साथ ही, यूएई के राष्ट्रपति और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच व्यक्तिगत संबंधों की पृष्ठभूमि में यूएई ने रूस के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी का विस्तार किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन से जुड़े कुछ अन्य देशों के विपरीत यूएई भी बिना किसी राजनीतिक लक्ष्य के मध्य एशिया में अपनी व्यावसायिक उपस्थिति का विस्तार कर रहा है।

के लिए 'भारत मार्ट', 'वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर' और 'भारत-अफ्रीका सेतु' जैसी प्रमुख पहलों के शीघ्र कार्यान्वयन का आह्वान किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564